दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

पेज 7

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 116 | ग्वालियर गुरुवार, 09 फरवरी 2023 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

एक नजर

500 साल पुराने फोर्ट में होगी स्मृति ईरानी की बेटी की शादी

नई दिल्ली। वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में राजस्थान देश के औद्योगिक घरानों, राजनीतिक घरानों, एनआरआई और बॉलीवुड के फिल्मी सितारों की पहली पसंद बनता जा रहा है. जैसलमेर के होटल सूर्यगढ़ पैलेस में स्टार कपल सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी की शादी के बाद केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी और जुबिन ईरानी की बेटी शनेल ईरानी का भी वेडिंग डेस्टिनेशन भी बहुत खास हैं. यह हाई प्रोफाइल शादी राजस्थान के नागौर जिले के खींवसर फोर्ट में होने जा रही है. शनेल ईरानी अर्जुन भल्ला के साथ 9 फरवरी को अग्नि के सात फेरे लेंगी. स्मृति ईरानी की बेटी की शादी के लिए खींवसर फोर्ट को 3 दिन के लिए बुक किया गया है. बेटी शनैल ईरानी की शादी के लिए स्मृति ईरानी बुधवार की सुबह 8 बजे की फ्लाइट से जोधपुर एयरपोर्ट पहुंचीं. मीडिया से बिना बात किए वह राजस्थान सरकार के पूर्व मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर के साथ सड़क मार्ग से खींवसर फोर्ट के लिए रवाना हो गईं. बेटी की शादी की तैयारियों के लिए मंगलवार दोपहर को ही ईरानी के पति जुबिन ईरानी जोधपुर एयरपोर्ट पहुंचे थे. अपनी बेटी व होने वाले दामाद अर्जुन भल्ला के साथ स?क मार्ग से खींवसर फोर्ट पहुंचे. खींवसर फोर्ट 7-8-9 फरवरी के लिए बुक किया गया है. बुधवार 8 फरवरी से शादी की रस्में निभाई जाएगी बुधवार को मेहंदी हल्दी और संगीत की रस्म निभाई जाएंगी. गुरुवार 9 फरवरी को दोनों रीति- रिवाज के साथ अग्नि के सात फेरे लेकर परिणय सूत्रों में बंधेंगे शनेल ईरानी जुबिन ईरानी की पहली पत्नी की बेटी हैं. नागौर के खींवसर फोर्ट में होने जा रही इस हाई प्रोफाइल शादी को परिवार के लोगों तक ही सीमित रखा गया है. शादी में 50 मेहमानों की लिस्ट है. बताया जा रहा है कि शादी में कोई भी वीवीआईपी गेस्ट शामिल नही होंगे. बता दें कि शनेल ईरानी और अर्जुन भल्ला की सगाई 2021 में दुबई में हुई थी. केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने अपनी बेटी की शादी के लिए खासतौर से नागौर जिले के होटल खींवसर फोर्ट को चुना है, क्योंकि राजस्थान सरकार के पूर्व मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर से स्मृति ईरानी के पारिवारिक संबंध हैं. होटल खींवसर फोर्ट 500 साल से भी ज्यादा पुराना है. इस खींवसर फोर्ट में पहले भी कई शादियां हो चुकी हैं. फिल्म अभिनेता गोविंदा सहित कई अभिनेता इस होटल में रह चुके हैं.

केशव प्रसाद मौर्य का 2024 चुनाव को लेकर बड़ा दावा

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बुधवार को आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी रामचरितमानस प्रकरण उठाकर समाज में नफरत पैदा करने और लोगों को बांटने का काम कर रही है. गाजीपुर में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मौर्य ने दावा किया कि सपा अपने कर्मों से 2024 लोकसभा चुनाव के बाद खुद ही समाप्तवादी पार्टी बन जाएगी. उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव सत्ता से हटने के बाद कोई चुनाव नहीं जीत सके हैं. उपमुख्यमंत्री ने कहा, हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऐसी व्यवस्था की है कि आज लाभार्थी को मिलने वाले लाभ का एक-एक पैसा भ्रष्टाचार से प्रभावित हुए बिना गरीब के खाते में पहुंच रहा है. अखिलेश यादव की सरकार अपराधियों की सरकार थी. आज डबल इंजन की सरकार में अपराधी त्राहि-त्राहि कर रहे हैं. केशव प्रसाद मौर्य ने आरोप लगाया, कांग्रेस पार्टी ने भगवान राम को काल्पनिक बताकर जो पाप किया है, उसी के चलते आज उनका नाम-निशान मिटता जा रहा है. आगे भी ऐसा ही होगा. आज विपक्षी पार्टी बिना किसी मुद्दे के साथ सत्ता पाने के लिए हाथ-पांव मार रही है. मौर्य ने कहा कि डबल इंजन की सरकार गरीबों के कल्याण के लिए जो कार्य कर रही है, ऐसा सपा, बसपा, कांग्रेस की सरकार में कभी नहीं हुआ. उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में गरीबों के लिए योजना का हाल यह रहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी स्वीकार करते थे कि जब एक रुपया गरीब के लिए भेजा जाता था तो मात्र 15 पैसा मिलता था. इससे पहले केशव प्रसाद मौर्य ने कहा था कि अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण, जम्मू कश्मीर से धारा 370 हटाने और समान नागरिक संहिता लागू करना भाजपा का प्रमुख एजेंडा रहा है. आज अयोध्या में राम लला का भव्य मंदिर बन रहा है, धारा 370 समाप्त हो चुका है और बाकी जो काम (समान नागरिक संहिता) बचा है, वो भी समय पर पूरा हो जाएगा.

सऊदी अरब के शख्स ने 43 साल में 53 बार की शादी

नई दिल्ली। सऊदी अरब के 63 साल के एक आदमी ने दावा किया है कि उसने अब तक 53 बार शादी की है. उनका नाम अबू अब्दुल्ला है. उन्होंने बताया कि जिंदगी में शांति की तलाश में मैंने कई दफा शादी की है. वो हर बार शादी करने के पीछे एक ही कारण देते हैं कि वो सारी औरतों को खुश रखना चाहते हैं. उन्होंने कहा कि वो

अपनी सारी पत्नियों के साथ एक समान व्यवहार रखने की कोशिश करते हैं. अपनी कहानी सुनाते हुए अबू अब्दुल्ला ने कहा कि मैंने पहली बार शादी 20 साल की उम्र में की थी. तब मैंने एक से अधिक महिलाओं से शादी करने की योजना नहीं बनाई थी क्योंकि मैं सहज महसूस कर रहा था और मेरे बच्चे भी थे. हालांकि, कुछ समय बाद, कुछ व्यक्तिगत समस्याओं के कारण उन्होंने तीन साल के बाद 23 साल की उम्र में फिर से शादी करने का फैसला किया. सऊदी अरब के 63 साल के बुजुर्ग अबू अब्दुल्ला ने कहा कि पत्नियों से उनकी कई मुद्दों पर बात हुई, जिससे उन्हें कई बार शादी करने के लिए खुद को मानसिक रूप से तैयार करना पड़ा. उन्होंने कहा कि मैंने अपनी पहली शादी के बाद 43 साल के सफर में 53 महिलाओं से शादी की. मेरी पहली पत्नी मुझसे छह साल बड़ी थी. अबू अब्दुल्ला ने अपनी शादी के किस्से सुनाते हुए कहा कि 53 शादियों में सबसे कम समय तक टिकने वाली शादी मात्र एक रात के लिए ही थी. उन्होंने कहा कि उनकी अधिकांश शादियां सऊदी महिलाओं से ही हुई हैं. लेकिन अपनी विदेशी व्यापारिक यात्राओं के दौरान वो विदेशी औरतों से भी शादी कर लेते थे. उन्होंने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा कि मैं विदेशों में 3 से 4 महीनों के लिए रहता था, इसलिए मैंने खुद को बुराई से बचाने के लिए शादी की.

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा पर पीएम मोदी का निशाना

नई दिल्ली। लोकसभा में पीएम मोदी के भाषण पर राहुल गांधी ने प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने अडानी मामले में जेपीसी की मांग को दोहराया. राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री उनको बचा रहे हैं. जांच की बात क्यों नहीं हो रही है. बेनामी संपति पर बात क्यों नहीं हुई. बहुत बड़ा घपला हुआ है. पीएम मोदी ने कहा कि आज जब मैं झंडा फहराया तो दुश्मन देश का बारूद भी सलामी कर रहा है. बंदूके और बम फोड़ रहा है. आज जो शांति आई है...चैन से जा सकते हैं...सैकड़ों की तादाद में जा सकते हैं. ये माहौल दिया है. पर्यटन की दुनिया में कई दशकों के बाद रिकॉर्ड टूटे हैं. जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र का उत्सव मनाया जा रहा है. आज जम्मू-कश्मीर में हर घर तिरंगे का कार्यक्रम सफल हो रहा है.

लाल चौक पर झंडा फहराने का पीएम मोदी ने किया जिक्र–राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा की तरफ इशारा करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि यहां जम्मू कश्मीर की भी चर्चा हुई. जो अभी अभी जम्मू कश्मीर घुमकर आए हैं. उन्होंने देखा होगा कि कितनी शान से आप वहां आ जा सकते हैं. मैं भी जम्मू-कश्मीर में यात्रा लेकर गया था और लाल चौक में तिरंगा फहराने का संकल्प लेकर गया था. लेकिन तब आर्तकियों ने पोस्टर लगाए थे कि देखते हैं किसने अपनी मां का दूध पीया है जो लाल चौक पर झंडा फहराता है. उस दिन 24 जनवरी था. मैंने तक भरी सभा में कहा था कि आतंकी कान खोलकर सुन लें 26 जनवरी को ठीक 11 बजे मैं लाल चौक पहुंचुंगा. बिना सुरक्षा के आऊंगा. बुलेट प्रूफ जैकेट के बिना आऊंगा और फैसला लाल चौक पर होगा. किसने अपनी मां का दूध पीया है....वो समय था. पीएम मोदी ने कहा कि कुछ लोग अपने लिए अपने परिवार के लिए बहुत कुछ तबाह करने पर लगे हुए हैं. कुछ लोग अपने लिए अपने परिवार के लिए जी रहे हैं. मोदी तो 140 करोड के परिवार के साथ जी रहा है, 140 करोड़ का आशीर्वाद है मोदी के साथ है. झूठ के शस्त्रों से इस विश्वास के कवच को कभी भेद नहीं सकते हो. पीएम मोदी ने कहा कि जो अहंकार में डूबे होते हैं...उनको लगता है कि मोदी को गाली देकर ही हमारा रास्ता निकलेगा. अब 22 साल बीत गए वो गलत फहमी पाल करके बैठे हुए हैं. मोदी पर भरोसा टीवी पर चमकते चेहरों से नहीं बना है. जो देशवसियों का मोदी पर भरोसा है वो इनकी समझ से बहुत ऊपर है. क्या ये झूठे आरोप लगाने वालों पर मुफ्त राशन पाने वाले मेरे देश के 80 करोड़ भारतीय कभी इनपर भरोसा करेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि मोदी अखबार की सुर्खियों से नहीं बना है. झूठे आरोप लगाने वालों पर कोई भरोसा नहीं करेगा. गाली से सुरक्षा कवच नहीं भेद सकते हैं. उन्होंने कहा कि मैंने जीवन खपा दिया है...पल पल खपा दिया है. प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि ये लोग बिना सरपैर की बातें करने के आदि होने के कारण उनको ये भी याद नहीं रहता है कि वो खुद का कितना विरोधाभास करते हैं. 2014 से ये लगातार कोस रहे हैं. भारत कमजोर हो रहा है..न जाने क्या क्या कहा...अब कह रहे हैं कि भारत इतना मजबूत हो गया है कि दूसरे देशों को धमकाकर फैसले करवा रहे हैं.

सांसद नवनीत राणा ने जब संसद में कहा- राम-राम

महाराष्ट्र के अमरावती से निर्दलीय सांसद नवनीत राणा का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह संसद में राम-राम कहते हुए दिख रही हैं. दरअसल, राणा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान संसद को संबोधित कर रही थीं. अपने संबोधन की शुरुआत में उन्होंने कहा कि उनकी महाराष्ट्र की जो आदिवासी बोली-भाषा है, उससे शुरुआत करेंगी. नवनीत राणा ने कहा, सर हमारे देश की राष्ट्रपति मैडम आदिवासी समाज से आती हैं तो मेरे आदिवासी भाई-बहन जो हमारे महाराष्ट्र से, पूरे देश के और हमारी जो बोली-भाषा है आदिवासियों की, उससे मैं मेरी प्रेजिडेंटल थैंकिंग स्पीच की शुरुआत करती हूं, अलागे सभी को माइचो, बाइचो, डाइचो, अलागे प्रधानमंत्री के, राष्ट्रपतिगण सबू को, सदन को राम-राम. सांसद के इस तरह से संबोधन करने पर सदन में मौजूद सदस्यों ने भी राम-राम बोलकर उनका अभिवादन स्वीकार किया. साथी सांसदों की ओर से प्रतिक्रिया मिलने पर एक बार फिर हाथ जोड़कर और मुस्कराते हुए नवनीत राणा ने राम-राम बोला. इसके बाद उन्होंने आगे बोलना शुरू किया.

सांसद नवनीत राणा ने अपने भाषण में महिला आरक्षण, किसान, टैक्स भुगतान और कारोबारियों की वजह से रोजगार सृजन जैसे मुद्दों पर खूब बोला और विपक्षी दलों पर जमकर निशाना साधा. उन्होंने सरकार के कामकाज और प्रधानमंत्री नरेंद्र की तारीफ की. अमरावती सांसद ने कहा, जिस तरीके से प्रेजिडेंटल स्पीच हुई, पहली बार देश के एक आदिवासी क्षेत्र से एक आदिवासी महिला को इस पद पर लाकर.. मैंने बहुत सारे लोगों की ये स्पीच सुनी कि महिला आरक्षण बिल सदन में आना चाहिए, मुझे बताइए कि ये पद के लिए तो कोई आरक्षण नहीं है, फिर भी एक आदिवासी क्षेत्र में काम करने वाली महिला को इस पद पर लाकर प्रेसिडेंट बनाकर, हमारे जैसी महिलाएं, युवा महिलाएं, इस देश की पिछड़ी महिलाएं, उनको सम्मानित करने का काम हमारे देश के प्रधानमंत्री जी ने किया. सांसद राणा ने आगे कहा, आरक्षण आना चाहिए, सभी महिलाएं सभी पुरुष भाई हमारे साथ हैं कि आरक्षण इस सदन में आना चाहिए, उसका स्वागत करेंगे लेकिन उसके अलावा इस सदन में अगर आज हम देखते हैं तो जितने वर्षों से ये सदन बना हुआ है, ये पहली बार मोदी जी की सरकार में हुआ है कि इतनी बड़ी संख्या में महिलाएं रीप्रजेंट कर रही हैं हमारे देश के अलग-अलग क्षेत्रों को, ये क्रेडिट जाता है. बिना आरक्षण के कोई भी पार्टी, जिसने भी साल इन पार्टियों ने राज किया हमारे देश में, आज तक आरक्षण के बिना उन्होंने महिलाओं को इस पद के लिए या फिर इस पार्टी से टिकट देकर इस सदन में रीप्रजेंट करने का कभी मौका नहीं दिया, वो दिया है तो भाजपा गवर्नमेंट ने और हमारे आदरणीय नरेंद्र मोदी जी ने, ये सभी को एक्सेप्ट करना ही पड़ेगा जितने भी लोग आरक्षण की बात कर रहे हैं.

पीएम मोदी के भाषण के बीच विपक्षी दलों का जमकर हंगामा

नई दिल्ली। लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार (8 फरवरी) को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा का जवाब दे रहे हैं. इस दौरान पीएम मोदी की स्पीच के दौरान विपक्षी सांसदों ने जमकर हंगामा किया. स्पीकर के बार-बार नामित करने की चेतावनी के बाद भी वो शांत ही नहीं हुई. उन्होंने सदन में वॉकआउट के नारे लगाए और बाहर जाने की बात कही. इस दौरान कांग्रेस सांसद राहुल गांधी वहां पहुंच गए और उन्होंने अपने सदन में दिए बयान को हटाए जाने पर आपत्ति की. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा का जवाब देने के उनके सीट से उठने से पहले ही विपक्षी सांसद हल्ला मचाने लगे थे. इस हंगामे को देखते हुए स्पीकर को कहना पड़ा था आपने बहिष्कार किया है आप अपनी बात पर कायम रहिए. उन्होंने सांसदों के बैठे- बैठे नारेबाजी करने पर भी टोका. स्पीकर ने कहा कि ये तरीका नहीं. उन्होंने सांसदों को नामित करने की चेतावनी भी दे डाली, लेकिन सांसदों ने एक नहीं सुनी और वो चिल्लाते रहे और विपक्ष ने सदन से वॉकऑउट, वॉकआउट के नारे लगाए. दरअसल 4.28 पर विपक्ष का हंगामा शुरू हुआ ये लोग वी वान्ट जेपीसी के नारे लगाते रहे. इस दौरान कुछ सदस्य उठकर बाहर जाते हुए दिखे. स्पीकर ने टोका कि संसदीय नहीं है आप बिना तथ्यों के बोलते हैं और फिर सुनते नहीं हैं. इस दौरान कुछ विपक्षी सांसद वॉकआउट करते हुए नजर आ रहे थे हालांकि वो अभी बाहर नहीं आये हैं. प्रधानमंत्री के भाषण के दौरान जेपीसी की मांग करते हुए कांग्रेस और वाम दलों के सांसदों ने वॉकआउट किया, लेकिन तृणमूल कांग्रेस, डीएमके और एनसीपी ने वॉक आउट नहीं किया. तृणमूल कांग्रेस, डीएमके और एनसीपी ने कांग्रेस का साथ नहीं दिया. शशि थरूर और कार्ति चिदंबरम वापस आ गए. इस दौरान राहुल गांधी वहां पहुंचे और उन्होंने कहा कि आखिर मेरे बयान से शब्दों को हटाया क्यों गया। दरअसल कल मंगलवार (7फरवरी) को कांग्रेस सांसद गांधी ने पीएम मोदी और केंद्र सरकार पर अडानी को लेकर कड़ा हमला बोला था.

छावला गैंगरेपः छावला गैंगरेप मामले पर होगा दोबारा विचार

नई दिल्ली। छावला गैंगरेप केस पर दोबारा विचार के लिए सुप्रीम कोर्ट ने 3 जजों की बेंच का गठन किया है. चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा है कि इस बेंच में उनके साथ जस्टिस एस रविंद्र भाट और जस्टिस बेला त्रिवेदी होंगी. चीफ जस्टिस ने यह बात तब कही जब दिल्ली पुलिस की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पुनर्विचार याचिका पर सुनवाई का अनुरोध किया. 2012 के इस मामले में पीड़िता को भयंकर यातनाएं देकर मारने के लिए निचली अदालत और हाई कोर्ट ने 3 लोगों- राहुल, रवि और विनोद को फांसी की सड़ा दी थी. लेकिन 7 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें बरी कर दिया था. दिल्ली पुलिस से पहले पीड़ित परिवार भी पुनर्विचार याचिका दाखिल कर चुका है. सॉलिसिटर जनरल ने मामला उठाते हुए आज कोर्ट को बताया कि विनोद 26 जनवरी को हत्या के केस में फिर गिरफ्तार हुआ है. इस बार मामला एक ऑटो चालक की हत्या का है. मेहता ने कहा कि तीनों आदतन अपराधी हैं. उनके खिलाफ गैंगरेप और हत्या का मड़बूत केस था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने जांच में कुछ कमियों के चलते उन्हें बरी कर दिया. चीफ जस्टिस ने उन्हें आश्वासन दिया कि जल्द ही 3 जजों की बेंच मामले ओर दोबारा विचार करेगी. मूल रूप से उत्तराखंड की अनामिका दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के छावला के कुतुब विहार में रह रही थी. 9 फरवरी 2012 की रात नौकरी से लौटते समय उसे कुछ लोगों ने जबरन अपनी लाल इंडिका गाड़ी में बैठा लिया. 3 दिन बाद उसकी लाश बहुत ही बुरी हालत में हरियाणा के रेवाड़ी के एक खेत में मिली. बलात्कार के अलावा उसे असहनीय यातना दी गई थी. उसे कार में इस्तेमाल होने वाले औजारों से पीटा गया, उसके ऊपर मिट्टी के बर्तन फोड़े गए, सिगरेट से दागा गया. यहां तक कि उसके स्तन को भी गर्म लोहे से दागा गया, निजी अंग में औजार और शराब की बोतल डाली गईं. उसके चेहरे को तेजाब से जलाया गया. लड़की के अपहरण के समय के चश्मदीदों के बयान के आधार पर पुलिस ने लाल इंडिका गाड़ी की तलाश की. कुछ दिनों बाद उसी गाड़ी में घूमता राहुल पुलिस के हाथ लगा. पूछताछ में उसने अपना गुनाह कबूल किया और अपने दोनों साथियों रवि और विनोद के बारे में भी जानकारी दी. पुलिस के मुताबिक तीनों की निशानदेही पर ही पीड़िता की लाश बरामद हुई. डीएनए रिपोर्ट और दूसरे तमाम सबूतों से निचली अदालत में तीनों के खिलाफ केस साबित हुआ. 2014 में पहले निचली अदालत ने मामले को दुर्लभतम की श्रेणी का मानते हुए तीनों को फांसी की सड़ा दी. बाद में दिल्ली हाई कोर्ट ने भी इस फैसले को बरकरार रखा. 7 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट के तत्कालीन चीफ जस्टिस यू यू ललित, दिनेश माहेश्वरी और बेला त्रिवेदी की बेंच ने तीनों आरोपियों को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया था. सुप्रीम कोर्ट ने पुलिस की जांच और मुकदमे के दौरान बरती गई लापरवाहियों के आधार पर यह फैसला दिया. सुप्रीम कोर्ट ने मुकदमे में जो कमियां गिनाई हैं, उनमें से कुछ यह हैं।

बिहार में महागठबंधन ने की धमाके की तैयारी

पटना। लोकसभा चुनाव 2024 में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और लालू प्रसाद यादव की जोड़ी अगर उस वक्त तक साथ रह गई तो बिहार में धमाका कर सकती है. यहां हम जेडीयू और आरजेडी के साथ की बात इसलिए कर रहे हैं क्योंकि सियासी गलियारे में बयानों के साथ-साथ कई तरह की अटकलें भी लगाई जा रही हैं. ऐसे में पहले से तय मान लेना भी बहुत आसान नहीं है. आगे बढ़ते हैं, इस लोकसभा चुनाव में बिहार इसलिए सबकी नजर पर है क्योंकि नीतीश कुमार विपक्षी दल को एकजुट करने में लगे हैं. महागठबंधन सरकार के पास दो ऐसे हथियार हैं जिससे वह चुनौती देगी. अगर जोड़ी कामयाब हो गई तो बीजेपी आउट हो जाएगी. भारतीय जनता पार्टी को झटका लग सकता है. बिहार में जातियों के बल पर ही राजनीति होती रही है. दो हथियार में महागठबंधन के पास यह पहला हथियार है जिस पर कब्जा करने के लिए दल के नेता हर चाल चलेंगे. अगर दूसरे हथियार की बात करें तो वो है बिहार में हो रही जाति आधारित गणना. इन्हीं दोनों को आधार बनाते हुए प्लान तैयार होगा. जाति आधारित जनगणना का सरकार फायदा गिनाएगी और इसे लोकसभा चुनाव के दौरान लोगों के बीच पहली प्राथमिकता पर रखेगी.

बिहार में जाति आधारित गणना 31 मई तक समाप्त हो जाएगी. उम्मीद है कि इसके बाद महागठबंधन सरकार बिहार में एक्शन मोड में दिखेगी. पिछले 32 सालों से बिहार में पिछड़ी जाति का शासन चल रहा है. चाहे लालू प्रसाद यादव हों या मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, दोनों पिछड़े समाज से आते हैं. बिहार में लगभग 52 फीसद पिछड़ों की आबादी है. अभी देश में 49.5 फीसद आरक्षण है जिसमें पिछड़ी जाति को 27, अति पिछड़ी जाति को 15 और अनुसूचित जनजाति को 7.5 फीसद आरक्षण दिया गया है. आरक्षण की व्यवस्था इसके अलावा आर्थिक रूप से कमजोर सामान्य वर्ग के लोगों को भी है. इन्हें 10 फीसद आरक्षण मिल रहा है. बिहार में जातीय जनगणना पूरी होती है तो निश्चित तौर पर पिछड़ा और अति पिछड़ा समाज मिलाकर इसका आंकड़ा 52 फीसद से अधिक हो सकता है. बिहार में जातीय गणना होने के बाद नीतीश और लालू की जोड़ी केंद्र सरकार पर आरक्षण की सीमा बढ़ाने की मांग करेगी. हो सकता है कि 40 से 45 फीसद पिछड़ी जाति के लिए आरक्षण की मांग करे जो केंद्र सरकार के लिए मुसीबत बन सकती है. क्योंकि सरकार को 50 फीसद से ज्यादा आरक्षण देने का प्रावधान नहीं है और 50 फीसद आरक्षण में अति पिछड़ा, अनुसूचित जाति और पिछड़ा समाज सभी आ जाते हैं. ऐसे में अकेले सिर्फ पिछड़ा समाज को आरक्षण की सीमा बढ़ाना सरकार के लिए मुश्किल होगी और इसका खामियाजा बीजेपी को चुनाव में उठाना पड़ सकता है. वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक जानकार अरुण पांडेय ने एबीपी न्यूज़ से कहा कि यह सही बात है कि जातीय जनगणना से महागठबंधन को फायदा हो सकता है. पिछड़ा समाज को अभी 27 फीसद आरक्षण है. इसको बढ़ाने की मांग पर राजनीति हो सकती है लेकिन इसका असर कितना पड़ेगा यह कहना मुश्किल है क्योंकि पिछड़े समाज में लगभग 17 फीसद के आसपास यादव हैं. इसके बाद कई जातियां हैं जो लालू के शासनकाल के बाद से यादव समाज को पसंद नहीं करती हैं. ऐसे में अगर पिछड़ी और अति पिछड़ी जातियों की गोलबंदी हुई तो बीजेपी को नुकसान पहुंच सकता है.

ग्राम मरदाकला में मा मिलकुवा निमऊ डिह क्रिकेट स्टेडियम राजा कचना ध्रुवा कप का 4 दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट फाइनल मैच में ग्राम खम्हारीपारा रही विजेता

संवाददाता हेमचंद नागेश

हर हमेशा बड़ी सोच से ही बड़ी मंजिल मिलता है यशवंत कुमार यादव। हर वर्ष की भाती इस वर्ष भी ग्राम पंचायत मरदाकला मे मां मिलकुआ निमऊडीह

क्रिकेट स्टेडियम मे राजा कचना ध्रुवा कप 2023 का 4 दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन आदिवासी ईलेवन मरदाकला और समस्त ग्रामवासियो के सहयोग से आयोजन किया गया था जिसका आज मंगलवार को फाईनल मैच बिन्द्रासम्राट खम्हारीपारा और आदिवासी ईलेवन मरदाकला के मध्य खेला गया जिसमे रोमांचक मैच मे बिन्द्रासम्राट खम्हारीपारा विजय रही उप विजेता मरदाकला रही समापन समारोह एव पुरस्कार वितरण कार्यक्रम मे मुख्य अतिथी सरपंच ग्राम पंचायत मरदाकला सावित्री बाई सोरी विशिष्ट अतिथी युवा कांग्रेस जिला सह सचिव नेपाल सोरी युवा कांग्रेस बिद्रानवागढ विधान सभा महासचिव यशवंत कुमार यादव ग्राम पटेल बलियार नेताम शिक्षक हाई स्कूल मरदाकला टी के देव मेष कुमार बंजारे ग्राम प्रमुख परितलाल नागेश बलिराम नेताम मगन सिह सोरी भक्तीन बाई नेताम मालेश्वरी मरकाम युवा कांग्रेस कार्य कर्ता दुलार नेताम आयोजक समिति संरक्षक उदराज सोरी अध्यक्ष ललीत कुमार मरकाम सचिव सेन्टेश नेताम आदिवासी इलेवन मरदाकला कप्तान हरीशचन्द्र नागेश विशिष्ट अतिथी युवा कांग्रेस बिद्रानवागढ विधान सभा महासचिव यशवंत कुमार यादव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा की खेल से हमे भाईचारा संबंध बढाता है हमारे ग्रामीण क्षेत्र मे भी एक से बढ़कर एक खिलाड़ी है बस उनको आगे बढने कि जरुरत है हमेशा सोच बड़ा होना चाहिए जिससे बड़ी मंज़िल एक दिन कदम चुमती है और विजेता उपविजेता दोनो टीम को बधाई देते हुए कहा की क्रिकेट अनिशचिन्ताओ का खेल है हम जो चाहते है वो होता नही नही चाहते है वो होती है और लास्ट बाल तक निर्णय होता है और आप सभी हमारे क्षेत्रो के टीम से आग्रह किया की हर जगह भाग ले और अच्छा खेल का परिचय देते हुए बेहतरीन प्रदर्शन कर अपनी अपनी टीम गांव का नाम रोशन करते हुए एक दिन हमारे छ ग एव देश के लिए खेलने का हौसला रखे बस अच्छी बडी सोच होना चाहिए उसके हिसाब से जरूर एक दिन मंजिल मिल जाती है एक दिन हमारे भारत देश के लिए भी खेल सकते है हमारी कांग्रेस की सरकार ने पुराने खेल को संजोने की काम कर रही है राजीव गांधी युवा मितान क्लब का गठन कर हमारे पारंपरिक खेलो जो विलुप्त हो रही थी उसको संगठित करने का प्रयास कर रही है जिससे सभी ग्राम पंचायतो मे छत्तीसगढसगढीया ओलंपिक का आयोजन करवा रही है जिसमे सभी ग्राम के स्कूली बच्चे लडका लडकी महिला पुरुष बड़ चढकर भाग ले रहे है और अपनी मंजिल तक पहुचने की कोशिश कर रहे है। आयोजक समिति आदिवासी ईलेवन मरदाकला के खिलाड़ी ललित मरकाम सेन्टेश नेताम हरिशच्द्र नागेश खेमन मरकाम शिवा मरकाम खेलन मरकाम भिखम मरकाम यश मरकाम कुलेश नेताम परतूत मरकाम घनश्याम मरकाम बीरेन्द्र मरकाम आयोजक समिति के द्वारा सभी अतिथियो का ।भव्य स्वागत किया गया एव ग्रामवासी क्षेत्रवासीयो बड़ी संख्या मे उपस्थित होकर समापन समारोह एव पुरस्कार वितरण कार्यक्रम को सफल बनाए।

कांग्रेस की कलह पर बोले भाजपा प्रदेश प्रवक्ता संदीप शर्मा

कांग्रेस, करप्शन और कलह का गोत्र एक प्रदेश की जनता भुगत रही है खामियाजा

संवाददाता हेमचंद नागेश

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा प्रवक्ता संदीप शर्मा ने कांग्रेस की गुटबाजी पर कटाक्ष करते हुए कहा है कि एक बार फिर स्पष्ट हो गया कि कांग्रेस, करप्शन और कलह तीनों का गोत्र एक है। प्रदेश चलाना कांग्रेस के वश की बात नहीं है। कांग्रेस में सत्ता के भीतर और सत्ता-संगठन के बीच भयंकर युद्ध चल रहा है। संगठन अध्यक्ष के अधिकारों का हनन करने की कोशिशें हो रही हैं। संगठन की बैठकों के दौरान संगठन अध्यक्ष को कठघरे में खड़े करने की बातें आम हैं। अब सुनने में आ रहा है कि इनके आगामी कार्यक्रम के लिए बनी स्वागत समिति में नाम ऊपर नीचे करने को लेकर सिर फुटौव्वल की स्थिति बन गई है। मुख्यमंत्री

बघेल द्वारा राष्ट्रीय महासचिव से प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम की शिकायत की बात सामने आ रही है। इस आपसी गुटबाजी का खामियाजा छत्तीसगढ़ की जनता को भुगतना पड़ रहा है। जब सत्ता के भीतर और सत्ता और उसके संगठन के बीच संघर्ष हो रहा है तो राज्य की सभी व्यवस्थाएं ध्वस्त होना स्वाभाविक है। प्रदेश भाजपा प्रवक्ता संदीप शर्मा ने कहा कि कांग्रेस प्रभारी कुमारी शैलजा किंकर्तव्यविमूढ़ हैं। वे बंद कमरों में बैठक के अलावा कुछ नहीं कर पा रही हैं। अभी ऐसी ही एक बैठक में विधायकों और मंत्रियों के बीच की खींचतान पर भी वे लीपापोती के अलावा कुछ नहीं कर सकीं। कांग्रेस के लोगों की ही समझ में नहीं आ रहा है कि उनकी प्रदेश प्रभारी संगठन की मार्गदर्शक हैं अथवा सत्ता प्रमुख की लीलाओं और आपसी द्वंद्व की मूकदर्शक।

विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल द्वारा सामाजिक समरसता के अंतर्गत संत शिरोमणि रविदास जयंती मनाई गई

रीतेश अवस्थी
पुष्पांजली टुडे

दमोह। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल द्वारा सामाजिक समरसता के अंतर्गत संत शिरोमणि रविदास जयंती मनाई गई जिसमें सम्मान समारोह रखा गया जिसमें मोची समाज,बाल्मीकि समाज, अहिरवार समाज,के सम्मानीय लोग उपस्थित रहे।जिसमे लक्ष्मी बाल्मीकि दीदी,पानबाई दीदी , कैलाश जाटव , पवन अहिरवाल, हरिराम अहिरवार, दीपचंद जाटव, गनपत अहिरवाल, सभी का विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के पदाधिकारियों द्वारा श्रीफल माला पहनाकर स्वागत किया गया। जिसमें सामाजिक समरसता सह प्रमुख श्रीराम पटेल भाई साहब, विभागसामाजिक समरसता प्रमुख बलवान सिंह ठाकुर, ठाकुर महाराज, बजरंग दल जिला संयोजक शम्भू विश्वकर्मा, सह संयोजक रजित जैन, गोरक्षा सह प्रमुख राजू नामदेव, नगर संयोजक अनुराग यादव,दशरथ पटेल, राजकुमार सोनी, सतीश जैन

शा.उत्कृष्ट उ.मा.वि. (सी.एम.राइज) कोलारस में सृजन 2023 कार्यक्रम सम्पन्न

अनिल कुशवाह प्रभारी
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- मध्यप्रदेश शासन की मंशानुसार सी.एम.राइज विद्यालय कोलारस में छात्र-छात्राओं एवं पालकों को आकर्षित करने एवं विद्यालय की रूपरेखा प्रस्तुत करने 7 फरवरी को सृजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें कोलारस के जनप्रतिनिधियों, विद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के पालकों एवं विद्यालय परिवार के शिक्षकों व छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथियों दीप प्रज्वलन कर एवं विद्यालय की छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना का गायन कर किया गया। तत्पश्चात कार्यक्रम में पधारे गणमान्य अतिथियों एवं पालकों का फूल मालाओं से स्वागत कर बालिकाओं द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में सी.एम.राइज विद्यालय की आवश्यकता, अवधारणा, स्वरूप, उपयोगिता एवं महत्व पर प्रकाश प्रभारी प्राचार्य विजय कुमार राव द्वारा डाला गया। उपस्थित पालकों ने सी.एम.राइज विद्यालय में अभूतपूर्व परिवर्तनों पर हर्ष व्यक्त किया और सरकार की भूरी-भूरी प्रशंसा की। पालक गिर्राज सिकरवार ने अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यालय के प्रशिक्षित शिक्षक पढाई का उच्च स्तर एवं बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए तन मन से प्रयासरत हैं,

शहर के प्रमुख तालाबों को बचाने के लिए नहीं किये जा रहे कोई प्रयास

ब्यूरो रिपोर्ट रीतेश अवस्थी
पुष्पांजली टुडे

बेलाताल

दमोह। शहर के बीचोबीच ऐसे तीन ऐतिहासिक तालाब है जो शहर कि प्राचीन धरोहर है जिनकी विरासत और सुन्दरता अब खोती हुई नजर आ रही है इनको बचाने का प्रयास अगर किया जाता तो निश्चित ही यह तालाब शहर को सुन्दर एवं आय का जरिया भी बना सकते थे। लेकिन यहाँ के जनप्रतिनिधियों के उदासीन रवैये से यह तालाब दुर्दशा का शिकार हो गये है । तालाब के सौंदर्य करण पर जब हमने स्थानीय लोगों से चर्चा कि तो उनका कहना था कि एक शहर कि पहचान उसकी प्राचीन धरोहर एवं उसकी सुंदरता से होती है, जैसे भोपाल देश प्रदेश में झीलों के शहर से जाना जाता है वहां कि खूबसूरती देखने के लिए लोग

जनप्रतिनिधियों के उदासीन रवैये से विरासत खोती प्राचीन धरोहर

आसपास के अलावा शहर के लोगों को मजबूर कर देती है उनकी सुंदरता देखने के लिए क्योकि सभी लोग ऐसी जगहों पर परिवार के साथ जाना पसंद करते है जहाँ सैर सपाटा से लेकर वहां का शुद्ध वातावरण, बच्चों को मनोरंजन के साधन,वोटिंग करने कि सुविधा, खाने पीने कि दुकानें एक ऐसा माहौल स्थानीय लोगों को मिलता है और सभी लोग वहां अपना समय व्यतीत करते है।

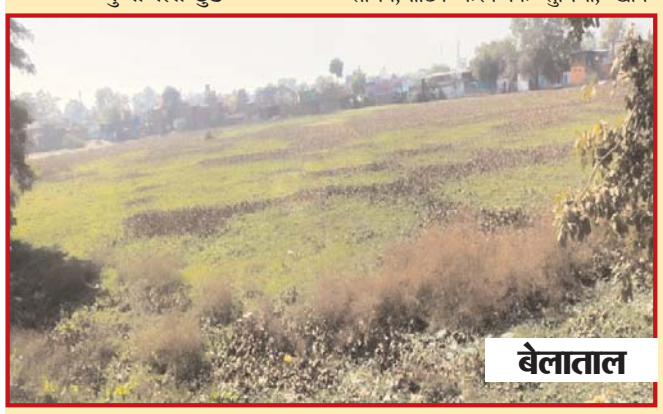

वही बात करें अगर दमोह कि तो यहाँ प्रमुख तीन तालाब है जो शहर के बीच मे है जो शहर कि धरोहर है लेकिन दमोह शहर का दुर्भाग्य है कि किसी जनप्रतिनिधि ने इनकी सुंदरता के लिए कोई प्रयास नहीं किये जबकि यहाँ के मंत्री कई बड़े बड़े पदों पर रहकर अपनी सेवाएं दे चुके है एवं वर्तमान में मंत्री विधायक अपनी सेवाएं दे रहे है लेकिन किसी के द्वारा इन तालाबों के विकास के लिए कोई बड़ी योजना नहीं बनाई जा रही जिससे यह सुरक्षित हो।

शहर का सबसे प्राचीन फुटेरा तालाब–यह तालाब सर्वसमाज के आस्था का केंद्र है जहाँ प्रतिवर्ष देवी विसर्जन से लेकर ईद कि नवाज जैसे बडे त्यौहार मनाये जाते है और जहाँ शहर के लोगों के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों के लोग एकत्रित होते है लेकिन इन तालाबों कि गंदगी देखकर वह लोग जनप्रतिनिधियों को खरी खोटी सुनाते नजर आतें है और उनका कहना है हर साल इन तालाबों के नाम पर करोडों रूपए खर्च किये जाते है लेकिन स्थिति जस की तस बनी रहती है जिससे तालाबो का अस्तित्व अब खोता नजर आ रहा है जबकि यहाँ के जनप्रतिनिधियों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है । शहर के ऐसे युवा समाजसेवी जो हर समय शहर के विकास के लिए सोचते है,ऐसे ही एक होनहार युवा नित्या प्यासी एवं उनकी टीम फुटेरा तालाब संरक्षण समिति, के सदस्यों से जब हमने बात कि तो कहना था, कि कुछ दिन पूर्व अपनी टीम के साथ जिसमें मांझी समाज एवं बार्ड वासियों की मदद से फुटेरा तालाब को साफ सुथरा बनाने का प्रयास किया गया जो काफी हद तक सफल भी रहा और आज तालाब का एक हिस्सा पूरी तरह से साफ दिखाई देता है।

96 एकड़ से अधिक में फैला फुटेरा तालाब–फुटेराकलां गांव के मुंशी द्वारा महज 100 रुपए की लागत से बनवाया गया यह तालाब आज दुर्दशा का शिकार हो रहा है लाखों गैलन पानी यह तालाब अपने अंदर समेटे हैं।जो समय समय पर लोगों कि कई तरह से पूर्ति करता है नगर पालिका के राजस्व रिकार्ड में इसका रकबा 90 एकड़ से अधिक है, लेकिन अतिक्रमण की चपेट में आकर इसका रकबा महज 60 एकड़ से भी कम में सिमटकर रह गया है।फुटेरा तालाब अपनी कई स्मृतियां समेटे हुए हैं, इस तालाब के किनारे जहां पूरे शहर की इष्ट देवी बड़ी देवी मां विराजमान हैं। तो वहीं ऐतिहासिक पाषाण कला का जीवंत नमूना नंदी व शंकरजी का प्राचीन मंदिर है। और इसी तालाब पर ईदगाह है जहां संपूर्ण मुस्लिम समाज अपनी ईद की खुशियां सांझा हर वर्ष करता है। 96 एकड़ से ऊपर फैले इस तालाब को लोग मानते है अगर जनप्रतिनिधियों ने इस पर ध्यान दिया होता तो इस तालाब के चारों ओर फेंसिंग के अलावा आकर्षक लाइटिंग और फव्वारे भी लगाये जा सकते थे एवं तालाब बड़ा होने के कारण यहाँ नगर पालिका चाहती तो वोटिंग कराने के वोट भी उपलब्ध करा सकती थीं जो आय का जरिया भी बन सकती थी लेकिन इन तालाबों का विकास केवल कागजो में ही रहकर सिमट गया।

शहर का दूसरा तालाब भी है हिन्दुओं कि आस्था का केंद्र–शहर के मध्य इस तालाब को बेलाताल भी कहा जाता है जो शहर के बीच मैं है। और यह तालाब अंग्रेजी शासनकाल का है। और यह भी अन्य तालाबों कि अपेक्षा काफी महत्वपूर्ण है जो दमोह-जबलपुर मार्ग पर स्थित है। इसके बीच में एक टापू है जिसका प्राकृतिक दृश्य बड़ा ही मनोरम है। इस तालाब पर हिन्दु देवी देवताओं के मंदिर बने हुए हैं जहाँ एक तरफ हनुमान मंदिर तो दूसरी तरफ साईं बाबा का मंदिर है जहाँ प्रतिदिन हजारों लोग दर्शन करने जाते है लोगों कि आस्था के साथ यह तालाब बीच शहर में बना ऐसा तालाब है जिसमें दोनों तरफ जाने के एक पुल बना हुआ है लेकिन तालाब कि दुर्दशा ऐसी है मानो किसी कि नजर लगी हो क्योंकि केंद्रीय मंत्री से लेके कई मंत्रियो ने इसको साफ कराने का प्रयास किया लेकिन वो नाकाम ही रहे, पानी को कचरे रूपी जलकुंभी ने चारों ओर से जकड लिया है जिसे हटा पाना बहुत मुश्किल हो गया है घाटों पर फैली गंदगी कि बदबू से यहाँ से निकलने वाले लोग सरकारों को कोसते नजर आते है क्योंकि इन तालाबो को साफ कराने के लिए लाखों रूपये खर्च किए गये लेकिन उसकी स्थिति जस कि तस है

बेलाताल का खूबसूरत तालाब–शहर के अंदर एक ऐसा तालाब जो बड़ा भी है और सुन्दर लोगों ने बताया कि पहले इस तालाब के चौपाटी तक लगाई जाती थीं लेकिन असामाजिक तत्वों के कारण सब बंद हो गया अगर शहर के जनप्रतिनिधि चाहते तो इस तालाब को आय का जरिया भी बना सकते थे यहाँ बच्चों के खेलकूद से लेके घूमने फिरने कि व्यवस्था बनाकर लेकिन सिर्फ फोटो खिचवाने तक सीमित रह गया ये तालाब।

तीसरे प्रमुख तालाब जो कैदो कि तलैया जिसे दीवान जी तलैया के नाम से जाना जाता है–यह तालाब भी शहर के मध्य स्थित है और इसे दीवान जी कि तलैया,कैदों कि तलैया के नाम से जाना जाता है इसे मराठा हाकिम दीवान बालाजी

दिवान जी की तलैया

ने बनवाया था। बालाजी दीवान की पत्नी इसी तलैया के किनारे सती हुई थी।तो वही इस तालाब का उपयोग हिंदू मुस्लिम दोनों समाज के लोग त्योहारों पर करते है मुस्लिम समुदाय के लोग ताजिया विसर्जन करते है तो हिन्दू समाज के कई छोटे बड़े त्यौहारो पर इसका उपयोग किया जाता है लेकिन इस तालाब कि हकीकत ये है इसके चारों ओर घरों और दुकानों का निर्माण हो चुका है जिससे वहां का गन्दा पानी तालाब में मिलता है और इस तालाब का पानी पूरी तरह गन्दा हो गया है और गर्मी के दिनों में बदबू मारने लगता है बदबू इतनी भयंकर आती है कि लोग घरों के दरवाजे लगाए रहते है और इस तालाब को देखने से ऐसा लगता है मानो क्रिकेट या फुटबॉल का कोई हरा भरा मैदान हो।स्थानीय लोगों द्वारा बताया गया इन तालाबों को सुरक्षित रखने के लिए लाखों रूपए खर्च किये जाते है पर पता नहीं वो पैसे खर्च कहाँ होते है भगवान ही जाने। शहर कि सौन्दर्यता बड़ाने वाली दीवान जी कि तलैया,कैदों कि तलैया अगर स्वच्छ होता तो निश्चित रूप से यह तालाब शहर के आकर्षण का केंद्र होगा क्योंकि यह तालाब शहर के बीचोबीच होने के साथ साथ बहुत बड़ा और आस्था का केंद्र भी है।

फुटेरा तालाब

इनका कहना है

निश्चित रूप से प्राचीन धरोहर अपना अस्तित्व खोती जा रही हैं चोई रूपी कचरे ने पूरे तालाबों को क्रिकेट का मैदान बना दिया है शासन प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों कि उदासीनता साफ दिखाई देती है।

अभिषेक डिम्हा प्रदेश प्रतिनिधि कांग्रेस पार्टी

इन विरासत को बचाने के लिए शहर कि जनता को आगे आना पडेगा। तालाबों पर गंदगी ना हो इसके लिए प्रयास करना चाहिए, हर साल इन तालाबों पर पैसा साफ सफाई और सौंदर्य करण के लिए लाये जाते है लेकिन इनका विकास फाइलों तक सिमट कर रह जाता है और वर्तमान में स्थिति यह है कि इन तालाबों कि ओर किसी भी जनप्रतिनिधि का ध्यान नही है।

कृष्ण कुमार खरे युवा समाजसेवी

पिछले कई वर्षों से चाहें बारिश, ठंड या गर्मी हो, 365 दिन तालाब की सफाई का कार्य, निरंतर समिति द्वारा किया जाता है, तालाबों के संरक्षण के नाम से कई करोड़ रूपए नगरपालिका और प्रशासनिक अधिकारी बंदर बाँट कर हजम कर रहे हैं, यहीं कारण है कि ऐतिहासिक तालाब विलुप्त होने की कगार पर है

नित्या प्यासी(युवा समाजसेवी)

तालाब के विकास कार्यों के लिए भारत सरकार को प्रस्ताव भेजा गया है जिसमें पुराना तालाब,फुटेरा तालाब पाठक तालाब,शामिल हैं इन तालाबों की डीपीआर 1-1 करोड़ रुपए बनकर गई है और वहां से सैद्धांतिक स्वीकृति भी हो गई है एवं मंजूरी का आदेश जैसे ही प्राप्त होगा इनके सौंदर्य करण का काम होगा। चूंकि बेलाताल का प्रस्ताव इसमें नहीं हुआ है क्योंकि बेलाताल पर सांसद के द्वारा विकास कार्य कराए जा रहे हैं और इसका काम एमपीयूआईटीबीसी कम्पनी वाले करा रहे हैं, जिसमें तालाब के अंदर की सफाई शामिल नहीं है उसके लिए प्लान तैयार किया जा रहा है और उस पर चर्चा चल रही है क्योंकि तालाब बहुत गंदा है

भैयालाल सिंह
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद दमोह

पोहरी विधानसभा मैं कैलाश कुशवाहा के कांग्रेस में शामिल होने से घबराई भाजपा

समर्थकों को फोन करके दे रहे धमकी

अनिल कुशवाह प्रभारी
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- खबर पोहरी विधानसभा की है जहां पर 10 फरवरी को पोहरी विधानसभा के बैराड़ तहसील में पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ की आम सभा है जिस की तैयारी जोरों शोरों से पोहरी विधानसभा के साथ-साथ पूरे जिले भर में सभी कांग्रेश के कार्यकर्ता और अलग-अलग विधानसभाओं के उम्मीदवार दम भर अपनी तैयारी में जुटे हुए हैं पोहरी विधानसभा में तैयारी करने वाले लोग अपने अपने उम्मीदवारी दिखाने के लिए कमलनाथ के सामने दम भर कर प्रयास कर रहे हैं और अधिक से अधिक भीड़ इकट्ठा करने की कोशिश कर रहे हैं वही बात करें कैलाश कुशवाहा पूर्व बीएसपी प्रत्याशी जो हाल ही में कांग्रेस शामिल हुए हैं और 10 फरवरी को कमलनाथ जी के सामने कांग्रेश की सदस्यता लेंगे कैलाश कुशवाहा कांग्रेस में सदस्यता

लेने के साथ-साथ अपने हजारों समर्थकों को भी कांग्रेस ज्वाइन कराने की बात कर रही हैं वही कैलाश कुशवाह का बताना है कि आने वाली 10 तारीख को मेरे साथ 10 हजार समर्थक कांग्रेस में शामिल होंगे बाले हैं इस पर कहीं ना कहीं भाजपा खेमे में बवाल मचा हुआ है और भाजपा के आईटी सेल के लोग कैलाश कुशवाह के समर्थकों को फोन करके और रूबरू होकर कहीं ना कहीं गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं और बोल रहे हैं कि कांग्रेस का और कांग्रेस मैं शामिल होने वाले किसी भी व्यक्ति का कोई भविष्य नहीं है और कुशवाह समाज हमेशा से ही भाजपा का कोर वोट रहा है और भाजपा हमेशा कुशवाह समाज के लिए तत्पर रहती है मगर ऐसा कहने वाले आईटी सेल के लोगों से कुशवाह समाज के लोगों का कहना है कि यदि कुशवाह समाज भाजपा का कोर वोट रहा हैं और भाजपा कुशवाह समाज के लिए तत्पर रहती है तो अभी हाल ही में हुए नगर निकाय के चुनाव में भाजपा द्वारा कितने कुशवाह समाज के लोगों को टिकट दिया गया और जो लोग भाजपा की राजनीति कर रहे हैं वह कहीं ना कहीं गुलामी का जीवन जी रहे हैं और पदाधिकारी होने के बावजूद भी उनका पार्टी में कोई हस्तक्षेप नहीं होता वह सिर्फ और सिर्फ नाम के पदाधिकारी बना दिए जाते हैं इसलिए हम सभी कार्यकर्ता हमारे समाज के और क्षेत्र के नेता कैलाश कुशवाहा के साथ आने वाली 10 तारीख को पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के सामने कांग्रेस की सदस्यता लेंगे अब देखना यह है कि कैलाश कुशवाहा के कांग्रेस में शामिल होने से कहां कब और कैसे हैं किस को प्रभाव पड़ता है और कैसे भाजपा कुशवाह समाज को रिझाने की कोशिश करेगी।

शराब के नशे में धुत होकर वितरण किया जाता है खाद्यान्न वो भी आधा अधूरा

खाद्यान्न विक्रेता द्वारा उपभोक्ताओं को दी जाती हैं गालियां

राकेश परिहार रिपोर्टर पिछोर

खनियाधाना। अनुविभागीय अंतर्गत ग्राम पिपरोदा उबारी शासकीय उचित मूल्य विक्रेता मुनीश यादव शराब के नशे में धुत होकर शासकीय उचित मूल्य की दुकान पर बैठकर उपभोक्ताओं को करता है गाली गलौज ग्रामीण उपभोक्ताओं द्वारा आरोप लगाया गया है कि मुनेश यादव लोगों के लिए गाली गलौज करता है तथा आधा अधूरा राशन वितरण कर भगा देता है कई बार तो विक्रेता मुनीश यादव उपभोक्ताओं को मारपीट करने को तैयार हो जाता है ग्रामीण उपभोक्ताओं द्वारा बताया गया है कि संबंधित अधिकारी ले देकर मामला को सुलझा लेते हैं ग्रामीण लोग कई बार मुनेश यादव के खिलाफ शिकायत भी कर चुके हैं लेकिन अभी तक कोई भी कार्रवाई संबंधित अधिकारियों द्वारा नहीं की गई है शासकीय उचित मूल्य के विक्रेता मुनीश यादव कई बार शिकायत भी कर चुके हैं लेकिन कहीं कोई सुनवाई नहीं हो रही है साथी ही जिस हितग्राही को 35 किलो राशन मिलता है वहां पर विक्रेता द्वारा 15 किलो राशन वितरण किया जाता है। शासकीय उचित मूल्य की दुकान कोड नंबर 508088 पर लगातार धदल बाजी चल रही है।

समस्या ये नहीं की मैं गरीब क्यों हूँ

आज आदमी पैसे कमाने के लिए भरसक प्रयास करता है कुछ सफल होते है कुछ असफल। पैसा भगवान तो नहीं लेकिन कम भी नहीं है उसके बिना जीवन अधूरा सा लगता है लेकिन आप को शायद पता होना चाहिए की जो लोग जमीन से जुड़े है वह पैसे वालो से कम रोगी होते है और शारीरिक रूप से भी मजबूत होते है यही कारण है की उनके यहाँ तलाड़ के केस कम देखने को मिलते है आज आदमी पैसे के पीछे इस कदर पागल हो गया है की वह अपनी फिजिकल एंड मेन्टल क्षमता को खोता जा रहा है जो उसके पास है उसको छोड़कर वह उसके पीछे भाग रहा है जो उसके पास नहीं है मतलब जो है उसका उपभोग नहीं कर पा रहा है और जिसको पाने का प्रयास कर रहा है पता नहीं मिलेगा भी या नहीं। प्रयास करना गलत नहीं है लेकिन जो है पहले उसे महत्व दें उसके बाद समय मिलने पर उनको पाने का प्रयास करे जो ÷रिक्त÷ को भरने के लिए जरूरी है लेकिन अति करके रिक्त को भरने का मतलब है की आप पुनः ÷अतिरिक्त÷ की चाहत में अपना जीवन दांव पर लगा रहे हो।

फलां आदमी बहुत पैसे वाला है लेकिन मेरे पास भगवान ने गरीबी दे रखी है जबकि वह वास्तव में देखेगा तो पायेगा पैसे वाला उससे ज्यादा परेशान है कही राजनीती के नेताओं के ताने, पुलिस से, कोर्ट कचहरी से और न जाने कितने कारण हो हो सकते है फिर भी वह परेशान है केवल ये सोचकर की पडोसी पैसे वाला क्यों है यही सबसे बड़ी समस्या आज के मानव जीवन की बन चुकी है इससे छुटकारा पा पाना असंभव प्रतीत होता है फिर भी इतना ही कहना चाहूंगा जो है उसे भोगने प्रयास करें तभी सुखी जीवन का अनुभव कर पाएंगे।

संत श्री आशारामजी आश्रम ट्रस्ट बेंगलुरु द्वारा हुई गौ-ग्रास सेवा

पुष्पांजली टुडे

बेंगलुरु÷ संत श्री आशारामजी आश्रम ट्रस्ट की तरड़ से प्रति पूर्णिमा की गौग्रास सेवा के संकल्प हेतु इस माघी पूर्णिमा पर बनशंकरी थर्ड स्टेज में स्थित नंदिनी गौशाला में सेवा हुई। सेवा के प्रारंभ में सभी ने गौमाताओं को गंध-धूप, पुष्पादि से वैदिक मंत्रोच्चार द्वारा पूजा-अर्चना आदि की। गौ माताओं का पूजन, गौ-आरती, परिक्रमा, दान-पुण्य आदि कर सभी साधकों ने गौ-प्रदक्षिणा की एवं उनकी चरण रज को माथे पर धारण किया ।चूँकि गौमाता हम सभी की सांस्कृतिक, धार्मिक और सामाजिक समरसता और आस्था की प्रतीक हैं। अतः मान्यता है की- जो गोपालन, गो-सेवा व गो-रक्षा का प्रण लेता है उसका जीवन धन्य हो जाता है और जीवन की हर मनोकामना पूरी होती है। हमारी भारतीय संस्कृति और धर्म में गौमाता को विशेष महत्व दिया गया है। गौ को हमारी संस्कृति में ÷पवित्र÷ माना जाता है और हमारे देश के संस्कारों में गौ का सम्मान किया जाता है। हालांकि, हमारे देश में गौमाता के स्वास्थ्य और सुरक्षा में अहम समस्याएं हैं। गौमाता को बेहद ही कठिन शरीरी मुद्दों से सामना पड़ता है इसलिए, गौ सेवा एक ऐसा अभियान है- जो गौमाता के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए होता है। पूज्य संत श्री आशारामजी बापू अपने सत्संग वचनामृत में बताते हैं की-÷जीवन में गीता और गाय का जितना आदर करेंगे उतने स्वस्थ, समतावान और आत्मवान बन जायेंगे। बच्चों को देशी गाय का दूध पिलाओ, गाय पालो, गायों की सेवा करो। जैसे वृद्ध माँ की सेवा करते हैं ऐसे बूढ़ी गायों की भी सेवा करो, इससे आपको कोई घाटा नहीं पड़ेगा । तो आप लोग गोदुग्ध से, गौ-गोबर से, गोमूत्र से स्वास्थ्य-लाभ उठाइये, कसाईखाने में गाय जाय उसकी अपेक्षा गाय पालना शुरू कर दो गाय जहाँ बँधती है, उधर टी.बी और दमे के कीटाणु नहीं पनपते हैं। आपके घर-मोहल्ले में गाय का जरा चक्कर लगवा दो तो भूत-प्रेत, डाकिनी शाकिनी की बाधा दूर हो जाती है; ऐसा कहा गया है।

विकासखंड शिवपुरी के ग्राम पिपरसमा में मनाया सरसों प्रक्षेत्र दिवस

अनिल कुशवाह प्रभारी
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-ग्राम पिपरसमा में संकुल अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन तिलहन (सरसों) अतंर्गत प्रक्षेत्र सह कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। भा.कृ.अनु.प-अटारी जोन 9, जबलपुर के निर्देशानुसार संकुल अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन तिलहन अंतर्गत जिले में सरसों का क्षेत्रफल एवं उत्पादकता बड़ाने के उद्धेश्य से कृषि विज्ञान केन्द्र के द्वारा कलस्टर का चयन कर विभिन्न ग्रामों में प्रदर्शन डाले गये। इस कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रमुख एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ.पुनीत कुमार ने संकुल अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन के अतंर्गत सरसों (प्रजाति गिरिराज) के प्रदर्शनों का अवलोकन कर प्रदर्शनों का महत्व विस्तार से समझाया एवं किसानों को सरसों की उन्नत तकनीकी खेती एवं सामयिक सलाह के साथ किसानों को जानकारी दी गई। कार्यक्रम में किसानों ने सरसों से सम्बन्धित तकनीकी जानकारी का लाभ लेते हुए रबी फसल में अन्य तकनीकी सम्बन्धी जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम में 80 से अधिक किसानों की भागीदारी रही। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार डॉ.ए.एल.बसेड़िया, वैज्ञानिक (कृषि अभियांत्रिकी) प्रभारी संकुल अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन तिहलन ने किया एवं सरसों की उन्नत प्रजाति का प्रचार-प्रसार हेतु प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केन्द्र के डॉ.एम.के.भार्गव, वरिष्ठ वैज्ञानिक (सस्य विज्ञान) एवं डॉ.पुषेंद्र वैज्ञानिक (पादप प्रजनन) ने प्राकृतिक खेती/मिलेट्स जागरूकता एवं सरसों का उन्नत बीज तैयार करने की विस्तार से किसानों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में ग्राम पंचयात पिपरसमां के सरपंच हक्के धाकड़ की गरिमामय उपस्थिति रही।

फटाफट क्रिकेट मैच में झागर ने कुकरेठा को 7 विकेट से दी हराया

मुंगावली-अमर शहीद गणेश शंकर विद्यार्थी जी की स्मृति में चल रहे मंत्री कप 2023 के आठवें दिन के मैच में फटाफट किकेंट मैच में बड़े रोमांचिक मैच हुए जिसमे पहला मैच हजूखेड़ी और पिपरिया के मध्य हुआ जिसमे पहले बल्लेबाजी करते हुए पिपरिया की टीम ने 82 रन बनाए जिसका पीछा करते हुए हाजूखेड़ी की टीम ने मात्र 6 ओवर में लक्ष्य का पीछा कर लिया और ये मैच 7 विकेट से जीत लिया । दिन का दूसरा मैच बक्सनपुर और सेपरा के मध्य हुआ जिसमे पहले बल्लेबाजी करते हुए बक्सनपुर की टीम ने 158 रन बनाए जिसका पीछा करते हुए सेपरा की टीम ने मात्र 71 रन ही बना पाई और ये मैच बक्सनपुर की टीम ने 87 रन से जीत लिया।दिन का तीसरा मैच कुकरेठा और झागर के मध्य हुआ जिसमे पहले बल्लेबाजी करते हुए कुकरेठा की टीम ने 116 रन बनाए जिसका पीछा करते हुए झागर की टीम ने मात्र 6 ओवर में ही लक्ष्य का पीछा कर लिया और ये मैच 7 विकेट से जीत लिया। दिन का चौथा मैच रामपुर पिपरिया और ओंडेर के मध्य हुआ जिसमे पहले बल्लेबाजी करते हुए रामपुर की टीम ने मात्र 79 रन बनाए जिसका पीछा करते हुए ओंडेर की टीम ने मात्र 4 ओवर में ही बना लिए और ये ये मैच 10 विकेट से जीत लिया। दिन का पांचवा मैच वार्ड 9 मुंगावली और भटोली के मध्य हुआ जिसमे पहले बल्लेबाजी करते हुए भाटोली की टीम ने 63 रन बनाए जिसका पीछा करते हुए वार्ड 9 ने मात्र 3 ओवर में ही रन बना लिए और ये मैच 10 विकेट से जीत लिया। दिन का छठवां मैच डोरिया और जारसल चक्क के मध्य हुआ जिसमे पहले बल्लेबाजी करते हुए जारसल ने 105 रन बनाए जिसका पीछा करते हुए डोरिया ने मात्र 55 रन ही बना पाई और ये मैच जारसल ने 50 रन से जीत लिया। आज के अंपायर अर्जुन दांगी, शुभेंद्र यादव, ऋषि तिवारी, विपिन चौबे,। आज के मुख्य अतिथि थाना प्रभारी प्रदीप सोनी, अय्यूब खा जमींदार मुकेश खटीक अभिराज अमरोद मौजूद रहें।

पोरसा पुलिस द्वारा ताबड़ तोड़ कारबाही रेत से भरे चार टेक्टर मय ट्राली के परिवहन करते हुये पकड़े

केशब पंडित जी पत्रकार अम्बाह...

पोरस। पुलिस अधीक्षक आशुतोष बागरी व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राय सिंह नरवरिया द्वारा अवैध रेत परिवहन कर रहे वाहनों को पकडने का अभियान चलाया जा रहा है जिसके तारतम्य में एसडीओपी अम्बाह परिमाल सिंह मेहरा द्वारा अवैध रेत परिवहन करने वाले वाहनों को पकड़ने हेतु निर्देश प्राप्त हुए थे, निर्देशों के पालन मे दिनांक 08/2/23 को भिण्ड रोडव अंबाह रोड के विभिन्न स्थानों से चार टेक्टर मय ट्रॉली अवैध रूप से रेत भरकर परिवहन करते पकड़ी गयी। तथा टेक्टर चालकों / आरोपीगण को गिर0 किया गया, आरोपी के खिलाफ अप0क0 59/23, 60 / 23,62/23, 63 / 23 धारा 379, 414 ता0हि0, म0प्र0 खान एवं खनिज अधि0 की धारा 21, 4(1)(ए) तथा म0प्र0) खनिज (अवैध खनन भण्डार का निवारण) की धारा 18 (1) का पंजीबद्ध किया जाकर टेक्टर ढाली जप्त किये गये। जप्तशुदा टेक्टर ढाली पर पोरसा पुलिस द्वारा कार्यवाही की गई है तथा वनविभाग को पत्र लेख किया गया है। उक्त सराहनीय कार्य में महत्वपूर्ण योगदान थाना पोरसा से थाना प्रभारी आरपीएस जादौन, उप निरी0 शिवम सिंह चौहान, उप निरी0 दुर्गेश सिंह भदौरिया, उप निरी0 एमएमल मौर्य, सउनि टीडीएस भदौरिया, सउनि केशव सिंह रमन, सउनि कमल सिंह दोहरे, प्र0आर0 896 सुरेश, प्र0आर0 40 नीरज सिंह तोमर, आर0 1325 सुभाष गुर्जर, आर0 330 गोविंद भदौरिया, आर0 525 बृजेश सेंगर, आर0 404 नरेन्द्र सिंह भदौरिया, आर0 1312 शिवम यादव, आर0 कप्तान सिंह, आर0 1060 सतीश भदौरिया आर0 चालक सुधीर पाठक की अहम भूमिका रही।

कर्मचारियों से कार्य करवाने में अक्षम

संवाददाता जितेंद्र राय की रिपोर्ट

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी मुंगावली जिला अशोकनगर कार्यालय सहित परी क्षेत्र में अव्यवस्थाओं का आलम दयनीय है जिम्मेदार अधिकारी अपने अधिकार में आने वाले कर्मचारियों से कार्य करवाने में अक्षम है एवं कार्यालय की व्यवस्था एवं क्षेत्र में बिजली व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित करवाने में आसमा तो दिखाई देती हैं स्थिति है कि कार्यालय का दूरभाष नंबर कर्मचारी उठाते ही नहीं है रिसीव नहीं करते और रिसीवर उठाकर नीचे रख देती हैं जिससे दुर्वास नंबर व्यस्त बताता है और जब उपभोक्ता आवेदन लेकर कार्यालय पहुंचता है विद्युत सप्लाई को ठीक करवाने तब आवेदन देने के बाद 12 से 16 घंटे लग जाते हो कभी कभी दो-तीन दिन लग जाते हैं सप्लाई सुधरती नहीं है और उपभोक्ता को राहत भी नहीं दी जाती।

अवैध शराब बनाकर बेचने वाले आरोपी को न्यायालय पिछोर ने 1000 रुपए के अर्थदंड व न्यायालय उठने तक की सजा दी

राकेश परिहार रिपोर्टर पिछोर

पिछोर। पुलिस थाना पिछोर ने दिनांक 4/1/23 को ग्राम नांद से घनश्याम लोधी उर्फ घंसू लोधी को उसके खेत के पास से शराब बनाकर बेचते रंगे हाथ भट्टी की 10 लीटर कच्ची अवैध शराब सहित पकड़ा था ।घनश्याम लोधी उर्फ घंसू लोधी ने यह शराब अपने घर पर ही हाथ भट्टी से बनाई थी जिस पर धारा 34(1)आबकारी एक्ट का प्रकरण थाना पिछोर के सहायक उप निरीक्षक शैलेंद्र सिंह चौहान ने दर्ज किया था । आरोपी घनश्याम लोधी उर्फ घंसू लोधी को श्रीमान अमनदीप सिंह छाबड़ा जेएमएफसी पिछोर ने 1000 रुपये के अर्थदंड व न्यायालय उठने तक की सजा से दंडित किया। प्रकरण की विवेचना प्रधान आरक्षक राजेंद्र सिंह यादव द्वारा की गई व न्यायालय में चालान आरक्षक प्रदीप कौरव द्वारा प्रस्तुत किया गया।

मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया आज शिवपुरी में

राकेश परिहार रिपोर्टर पिछोर

शिवपुरी, खेल एवं युवा कल्याण, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया आज 9 फरवरी को अल्प प्रवास के दौरान शिवपुरी आएंगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया 9 फरवरी को ग्वालियर से प्रस्थान कर प्रातः 11.55 बजे सर्किट हाउस शिवपुरी में आएगी। दोपहर 12.45 बजे जिलाधीश कार्यालय के सभाकक्ष में बैठक में भाग लेंगी। दोपहर 2 बजे शिवपुरी से ग्वालियर के लिए प्रस्थान करेंगी।

नर्मदेश्वर महादेव मंदिर का वार्षिकोत्सव समारोह का किया गया भव्य आयोजन

इस अवसर पर ग्रामीणों ने किया विशेष श्रंगार व होलिका फाग का कार्यक्रम

उमाकान्त शर्मा संबाददाता चम्बल संभाग पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। शहर से 12 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम नीमगाँव में शिव मंदिर

पर नर्मदेश्वर महादेव के वार्षिकोत्सव के पावन पर्व पर होली मिलन व फाग समारोह बड़ी धूमधाम से मनाया गया। मंदिर के पुजारी ने बताया कि ग्राम नीमगांव में 7 फरवरी के दिन शिव मंदिर पर वार्षिक महोत्सव व होली फाग का आयोजन किया गया। पुजारी श्री श्री 1008 जगन्नाथ दास जी महाराज ने बताया कि मंदिर पर गाँव वासियो की बहुत आस्था है आपको बता दें कि इस मंदिर का निर्माण श्री नाथूराम करैया जी ने अपने ईष्ट देवों व पितरों की यादगार में करवाया था। वार्षिक उत्सव पर्व के उपलक्ष्य में ग्राम वासियों ने मंदिर का भव्य श्रृंगार व फाग का आयोजन किया गया जिसमें आसपास के गांव के लोगों ने भी हिस्सा लिया। डॉ. रमाकान्त शर्मा की अनुशंसा पर संजीव शर्मा जिला ब्यूरो आर बी न्यूज़ व उमाकान्त शर्मा संबाददाता चम्बल संभाग दैनिक पुष्पांजली टुडे ने पहुँच कर सभी ग्रामवासियों के साथ मंदिर का भव्य श्रृंगार किया तथा शिव प्रसादी का वितरण भी किया। सभी लोगों ने शिव जी के दर्शन किये तथा मंदिर की सजावट भी की गई। फाग गाने वालों में नीमगांव के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इनमें मुख्य रूप से रामकिशन पुरोहित, नाथूराम करैया, शिवकुमार, सुंदर पाराशर, सुरेश, दिनेश, रामदत्त राजौरिया, रामसरन राजौरिया, हसेवक राजौरिया, धर्मेंद्र पाराशर, छोटू पुरोहित, उमेश, अबधेश पुरोहित, सचिन व कई ग्रामीण उपस्थित रहे ढोलक बजाने में वीरेंद्र, मुन्ना, व अन्य लोगों ने साथ दिया।

क्या अडानी-कांड बनेगा बोफर्स?

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

उद्योगपति गौतम अडानी को लेकर संसद का यह सत्र लगभग ठप्प हो रहा है। विपक्ष के नेता समझ रहे हैं कि उन्हें बोफर्स की तरह एक जबर्दस्त मुद्दा हाथ लग गया है। पिछले आठ-नौ सालों में मोदी को पटकनी मारने के लिए हमारे नेताओं ने कई हथकंडे अपनाए लेकिन मोदी का जलवा बढ़ता ही गया। अब अडानी के काम-धंधों पर आई हिंडनबर्ग रिपोर्ट ने उन्हें इतना उत्साहित कर दिया है कि वे संसद का काम-काज ठप्प करने पर उतारु हो गए हैं। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा और मोदी पर बनी बी.बी.सी. की फिल्म ने जितना हंगामा खड़ा किया उससे कहीं ज्यादा बड़ा तूफान आनेवाला है। अब संसद के बाहर भी धरनों प्रदर्शनों पत्रकार परिषदों की झड़ी लगनेवाली है लेकिन असली सवाल यह है कि यह मामला क्या मोदी का बोफर्स बन सकेगा? इसमें शक नहीं है कि अडानी और मोदी दोनों गुजराती हैं दोनों एक-दूसरे से भली-भांति परिचित हैं और दोनों के बीच सीधा संबंध भी है। अडानी की कंपनियों को भारत की सरकारी बैकों ने जो उधार दिया है उसके पीछे इन संबंधों की शक्ति से कौन इन्कार कर सकता है? लेकिन क्या विरोधी दल प्रमाण देकर यह सिद्ध कर सकेंगे कि अरबों-खरबों रू. के मोटे कर्ज अडानी को सरकार के इशारे पर दिए गए हैं? यदि हमारा विपक्ष इससे कुछ ठोस प्रमाण जुटा सका तो मोदी सरकार बड़ी मुश्किल में फंस जाएगी। लाखों लोगों को शेयर बाजार में जो अरबों-खरबों का नुकसान हो रहा है क्या वे लोग चुप बैठेंगे? अभी से उन्होंने शोर मचाना शुरु कर दिया है। उनमें से कुछ मुखर लोग जमकर विपक्ष का साथ देंगे और सरकार-विरोधी रहस्योद्घाटन में शामिल हो जाएंगे। कोई आश्चर्य नहीं कि कुछ अफसर भी मजबूरन इन रहस्योद्घाटनों में शामिल हो जाएं। वे अपनी जान बचाने के लिए कुछ भी कर सकते हैं। अभी तो रिजर्व बैंक और सरकारी नियामक संस्थाओं ने अडानी समूह के खिलाफ प्रतिबंध लगा दिए हैं। अडानी के शेयरों की कीमत रोज़ गिर रही है। सरकार अपनी खाल बचाने के लिए अडानी-समूह के खिलाफ जांच बिठा देगी उसे अपनी खाल बचाने का एक बहाना मिल जाएगा। विदेशों में भी इस ग्रुप की साख पर आंच आ रही है। उसके कारण मोदी और भारत की स्वच्छ छवि पर भी प्रश्न चिन्ह लग रहे हैं। हो सकता है कि हिंडनबर्ग रिपोर्ट के पीछे कोई मोदी-विरोधी ताकतें भी सक्रिय हों लेकिन मोदी सरकार यदि अपनी स्वच्छता के ठोस प्रमाण नहीं दे सकी तो कोई आश्चर्य नहीं कि यह हिंडनबर्ग रपट बोफर्स-जैसी बन जाए।

कल्पवास में बांसुरी से चलती है रेहान की रोजी

प्रभुनाथ शुक्ल

माघ मकरगत रवि जब होई। तीरथपतिहिं आव सब कोई।। देव दनुज किन्नर नर श्रेनीं। सादर मज्जहिं सकल त्रिवेणी।। तीर्थराज प्रयाग गंगा के विसाल मैदान में बसा है। प्रयाग को सभी तीर्थ का राजा कहा गया है। प्रयाग समस्त कष्टों को हरने वाला ही नहीं अनेका संस्कृतियों के मिलन का संगम भी है। यहाँ गंगा-यमुना और अदृश्य सरस्वती के साथ देश के विभिन्न धर्म-संस्कृतियों का भी कल्पवास में त्रिवेणी बहती हैं। गंगा और त्रिवेणी स्नान से सिर्फ मोक्ष ही नहीं अर्थ एवं धर्म की भी प्राप्ति होती है। दुनिया भर में नदी सभ्यता में इतना बड़ा भूभाग कहीं नहीं मिलता है जहां विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक मेला आयोजित होता है। कल्पवास में साम्प्रदायिक सद्भाव भी देखने को मिलता है।

प्रयागराज को कुंभ संगम और तंबुओं की नगरी से भी जाना जाता है। पूरे महीने भर देश-विदेश से आए श्रद्धालु और भक्त तंबू में कल्पवास करते हैं। चारों पीठों के शंकराचार्य एवं साधु-संतों का आगमन होता है। प्रत्येक 12 साल पर कुंभ का आयोजन होता है। जिसमें नागा साधुओं की पेशवाई देखते बनती है। कहा जाता है ब्रह्मा ने सृष्टि का प्रथम यज्ञ यहीं किया था।प्र से प्रथम और याग से यज्ञ। इसकी वजह इसका नाम प्रयाग पड़ा।

इस पवित्र धर्मनगरी के अधिष्ठाता भगवान विष्णु हैं जो स्वयं यहां वेणी माधव के रूप में विराजमान है।पुराणों में सात पुरियां हैं। जिसमें अयोध्या मथुरा मायापुरी काशी कांची अवंतिका और द्वारका है। पुरियों को तीर्थराज प्रयाग की धर्म पत्नियों की संज्ञा दी गई है। सात पुरियों में काशी सर्वश्रेष्ठ है। इसे तीर्थराज की पटरानी कहा गया है। धार्मिक मान्यता के अनुसार सभी क्षेत्रों की उत्पत्ति प्रयागराज से हुई है और प्रयागराज ने इन्हें मोक्ष का अधिकार प्रदान किया है।

प्रयाग में मास भर का आयोजित होने वाला कल्पवास हमारी सांझी सांस्कृतिक विरासत है। कल्पवास क्षेत्र में जाति-धर्म भाषा और रंग का भेद मिट जाता है। प्रयाग में विभिन्न धर्म और संस्कृतियों से आने वाला व्यक्ति सिर्फ सिर्फ प्रयाग का होकर रह जाता है। प्रयाग में सिर्फ मनुष्यता दिखती है। यहाँ आपको सब कुछ मिल जाएगा। परेड ग्राउंड में आपकी जरूरत के सभी सामान भी मिल जाएंगे। देश के कोने-कोने से आयी दुकानें और सांझा संस्कृति के लोग मिल जाएंगे। कल्पवास में जाति-धर्म और भषा भेद का भाव मिट जाता है। प्रयाग को अच्छी तरह जानने के लिए सिर्फ कल्पवास और त्रिवेणी स्नान काफी नहीं है। उसे पढ़ने के लिए रेत-रेत में बिखरना होगा। तब आपको पता चलेगा कि इस पवित्र रेती में पूरा भारत विभिन्न रंग-रूपों में बिखरा पड़ा है।

संगम की रेती में बिहार के रेहान राजा की बांसुरी क्यों बजती है। झारखण्ड के जय प्रकाश की फिरंगी क्यों नाचती है। साहारनपुर के सलीम बालमखीरा का चूरन क्यों बेचने आते हैं। इनके लिए कल्पवास का क्या मतलब है। इन्हीं के जीवन संघर्ष में छुपा है अर्थ धर्म और मोक्ष का अर्थ। परेड ग्राउंड में देश भर से आए खादी ग्राम उद्योग की दुकाने मिल जाएंगी। कान्हा-श्याम की सुंदर मूर्ति और कपड़े पर मिल जाएंगे। धार्मिक पुस्तकों के शौकीन हैं तो गीता प्रेस गोरखपुर का मेले भर में किताबों की दुकान भी मिलेगी। रामदाने की पट्टी और बच्चों के खिलौने आसानी से सुलभ मिलते हैं। कल्पवास शिवरात्रि तक चलेगा।

गंगा घाट पर स्नान के दौरान हमें बिहार के रेहान राजा बांसुरी बेचते मिल गए। उसकी उम्र तकरीबन 15 साल की है। अपने अब्बा के साथ पहली बार प्रयाग कल्पवास में आए हैं बांसुरी बेचने। लॉकडाउन के बाद उन्होंने पढ़ाई छोड़ दिया। बाबा के साथ मेले में बांसुरी बेचकर पैसा कमाते हैं। उस पैसे से बहन की शादी करेंगे। लॉकडाउन के बाद पैसे की किल्लत होने लगी तो पढ़ाई छोड़नी पड़ी। पांचवीं तक पढ़ाई की है। बाद में अब्बा के साथ पुस्तैनी धंधे में लग गए। रेहान छपरा जिले के बनियापुर थाना के मिसकारी टोला गांव से आते हैं। रेहान ने बताया कि उनकी तीन बहने हैं उनकी शादी करनी है एक की हो गई है दूसरे की करनी है। बैंक का काफी कर्ज है अब्बा इसी बांसुरी की कमाई से बैंक की किस्त भरते हैं।

रेहान राजा ने बताया कि अमावस के दिन पंद्रह सौ रुपए की कमाई हुई थी। अमावस से हम लोग यहां आए हैं। 80 से 90 लोग है। सभी मुस्लिम हैं। मेला क्षेत्र में हम लोग रहते हैं और गंगा नहाते हैं। भीड़ कम होने से कमाई पर असर पड़ा है। बांसुरी के लिए आसाम से बांस आता है उसी की बांसुरी हमारे परिवार और गांव के लोग बनाते हैं। उसी बांसुरी को कल्पवास और दूसरे मेले में बेचकर लोग अपनी आजीविका चलाते हैं।

कल्पवास की रेती में ही झारखण्ड के राजमल साहबगंज उदवाँ के रहने वाले जय प्रकाश राय मिल गए। वह बच्चों के लिए खिलौने के साथ बांस और कागज से बनी फिरंगी बेच रहे थे। उन्होंने बताया कि मेले में हर दिन 300 से ?500 बचा लेते हैं। धंधा तो हजार रुपए तक का हो जाता है लेकिन सामानों के खर्च को काटकर इतना बच जाता है। वह मेले में पिछले 13 जनवरी से आए हैं। गंगा में नित्य स्नान करते हैं। इसके बाद अपने रोजी-रोजगार में लग जाते हैं। कल्पवास खत्म होने के बाद वह दिल्ली चले जाएंगे और वहां यहीं फिरंगी बेचेंगे।

संगम वापसी करते समय मुझे पुल नंबर चार के रास्ते में सहारनपुर के सलीम मिल गए। सलीम बालम खीरा का चूर्ण बेच रहे थे। बोले ले लीजिए साहब। यह पेट के लिए अचूक रामबाण है। बस भोजन के बाद गुनगुने पानी से फांक लीजिए। सुबह पेट सफा तो सारे रोग दफा। ?200 किलोग्राम का है साहब। हमने सलीम से चूर्ण का एक पैकेट खरीद लिया। उन्होंने बताया कि अब तक तीन कुंतल से अधिक चूरन बेंच चुके है।

सहारारनपुर के सलीम से हमने पूछा कि आजकल देश में हिंदू मुस्लिम का अधिक प्रचार है। आप हिंदू मेले में आए हैं आपको कोई डर नहीं लगता। बोले राजनीति को छोड़िए साहब। देश सबका है। राजनीति से क्या मिलेगा। हम यहां हर साल आते हैं। प्रयाग में किसी जाति-धर्म का भेदभाव नहीं। यहां प्रशासनिक सहयोग खूब मिलता है। इससे साफ जाहिर होता है कि प्रयाग में लगने वाला कल्पवास अप्रत्यक्ष रुप से पूरे देश को एक धागे में पिरोता है। कल्पवास एक भारत श्रेष्ठ भारत का सबसे अनुपम उदाहरण है।

विचार-निर्विचार चिंतन-अचिंतन

पूरा विश्व विचारों पर चलता है सारे आविष्कार युध्द आतंकवाद साहित्य सृजन भाषण प्रवचन तू-तू मैं-मैं सब विचारों की देन है। विचार ही सब कार्यों को अंजाम देता है। भक्ति प्रार्थना व्यवहार सेवा सब विचारों की देन है। हम सोचते हैं तो करते हैं होता है। अब प्रश्न यह है कि विचार कैसे हो दो श्रेणियों में बांटा गया है उन्हें सकारात्मक नकारात्मक सकारात्मकता निर्माण करती है नकारात्मकता विध्वंस मनुष्य ने सभ्यता को ऊंचाई तक पहुंचाया है एक तरफ तो दूसरी तरफ नृशंसता के गर्त में भी। जैसे विचार वैसा वातावरण और वृत्त। विचार करना सुविचार करना कोई किसी को जबरदस्ती नहीं सीखा सकता क्योंकि संस्कार लालन-पालन शिक्षा मनन-चिंतन संगति वातावरण से विचारों में परिवर्तन होता है। पता नहीं यह दुनिया कब से बनी है मनुष्य ने सोचना कब से शुरू किया उसमें कैसे-कैसे परिवर्तन होते गया यह एक बड़ा गूढ़ विषय है। इस पर शाप रचे जा सकते हैं। विचारों ने ही तो इतना ज्ञान इस विश्व को दिया है विज्ञान साहित्य शिक्षा राजनीति धर्म कानून जैसे-जैसे आवश्यकताएं होती गई या बढ़ती गई सब आविष्कार या रचना होती गई। आतंकवाद विस्तारवाद युध्द भी विचारों का खेल है। नेतृत्व के गलत विचारों का खामियाजा पूरे देश को देना होता है कौम हो देना होता है। धार्मिक उन्माद भी कुछ गलत विचारों की देन है। बुध्दिहीन या कम बुध्दि वाले लोगों को बुध्दिमान चालाक लोग भेड़ों की तरह हांक कर अपने ढंग से उपयोग या दुरुपयोग करते हैं।

मोदी सरकार क्यूँ न्यायपालिका को जनता के सामने खलनायक के रूप में पेश कर रही हैं

विजय कुमार तिवारी

मोदी सरकार के कानून मंत्री किरण रिजिजू ने संसद में एक उत्तर में कहा की न्यायिक पदो में 71त पद पर सवर्ण लोग नियुक्त हैं। आदिवासी और अनुसूसूचित जातियो का हिस्सा इन पदो में अत्यधिक कम हैं। सरकार चाहती है की आरक्षित वर्गो को इन पदो पर हिस्सेदारी व्रद्धि हो परंतु कालेजियम सिस्टम के कारण सरकार मजबूर हैं। अब यह उत्तर इतना भ्रामक है की आम देशवासी को पहली नजर में यह वंचितों और कमजोर वर्ग के खलनायक के रूप में पेश करता हैं। सरकार ने जानबूझ कर ऐसा उत्तर बनाया है जिससे उसकी कोशिश को बल मिले। अब मोदी सरकार सिधान्त रूप से स्वतंत्र न्यायपालिका को लेकर बहुत ही ÷असहज÷ हैं। क्यूंकी उनकी पार्टी और संगठन की विचारधारा के अनुसार ÷प्रशासन ही सर्वोपरि है÷। अर्थात चुनाव जीत कर अथवा जोड़ - तोड़ से सरकार बना कर सत्ता अपने हाथ में लेने के बाद उनके फैसलो में रोक -टोक करने वाला कोई न हो ना कोई उनसे उस फैसले के कारण और उसकी प्रक्रिया के बारे में पूछताछ करे। नोटबंदी के मोदी सरकार के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के समय जब मंत्रिमंडल के तत्संबंधी प्रक्रिया की जानकारी मांगी तब सरकार की ओर से कहा गया की रिजर्व बैंक ने इस संबंध में सरकार के फैसले को सहमति दे दी उसके बाद यह प्रक्रिया सम्पूर्ण हैं। सुप्रीम कोर्ट सरकार के काम करने के तरीको पर प्रक्रिया सम्मत होने अथवा नहीं होने के बारे में सवाल नहीं कर सकती। सुप्रीम कोर्ट भी यह जानकारी प्रापत करने में असफल रहा की ÷किस नियम के अनुसार ऊर्जित पटेल को गवर्नर नियुक्त होने के पहले से नोटो पर उनके हस्ताक्षर ले लिए गए थे। अनतोतगतवा नोटबंदी करने के सरकार के अधिकार पर बात खतम हुई; और सुप्रीम कोर्ट ने भी तकनीकी तथ्यो को वास्तविक घटनाक्रम और उद्देश्यों को

नकारते हुए सरकार को क्लीन चिट दे दी। ऋजुजु साहब साल भर से अधिक से कालेजियम सिस्टम में सरकार की भागीदारी की कोशिश कर रहे हैं। उनके दल और सरकार की कोशिश हैं की न्यायपालिका में उनका वर्चस्व होना चाइए जीससे की सरकार के कामो पर न्यायपालिका की ÷मुहर÷ लगती रहे उनके फैसलो की ÷नियत÷ और क्रियानवन पर कनही भी और किसी के द्वारा सवाल न उठाए जा सके। विधायिका की सर्वोच्चता की हकीकत – जैसा की सभी जानते हैं की विधायिका का बहुमत ही सरकार अथवा व्यस्थापिका बनता है। अब संविधान के दो अंग जब एकाकार हो जाये तब किसी ऐसे निकाय की सख्त जरूरत होती है जो आम नागरिक के अधिकारो की सरकार के फैसलो और नीतियो से रक्षा करे। नरेंद्र मोदी जी की सरकार के पूर्व न्यायपालिका के फैसलो को इज्जत से सरकार देखती थी। भले ही वह उसे मानने के बजाय संसद में कानून बनाए पर कभी भी अदालत को कमजोर करने या लांछित या कठघरे में खड़े करने का प्रयास नहीं हुआ। शहबानों केस में सरकार ने अदालत के फैसले को निर्स्प्रवी करने के लिए संसद का सहारा लिया। वह विधि सम्मत तरीका था। उन्होने अदालतों में नियुक्ति को अपने अर्थात सरकार के हाथो में लेने की कोशिश नहीं की। वह एक अवसर था परंतु आज जब बीजेपी शासित राज्यो में व्यक्ति की निजता और संपाती के अधिकार को ÷बुलडोजर ÷संस्कृति द्ववारा बड़ावा दिया जा रहा है... तब सरकार के कोप से बचने के लिए नागरिकों के पास अदालत ही एक सहारा हैं । उत्तर प्रदेश में बलात्कार की गयी युवती की लश को को रात के अंधेरे में दाह संस्कार पुलिस कर देती हैं । सुप्रीम कोर्ट के जज जोसेफ ने अदालत में पेश उत्तर प्रदेश के अफसरो और अधिवक्ताओ से कहा था। ÷क्या आप की बेटी के साथ ऐसा होगा तो भी आप इस कारवाई का समर्थन करेंगे? सरकार निर्लज्ज की भांति चुप रही।

जानलेवा होते आवारा पशु- सरकार मूकदर्शक

निर्मल रानी

हमारे देश में सड़कोंमुख्य मार्गोंगलियोंचौराहों यहाँ तक कि रेलवे लाईन व रेलवे स्टेशंस तक पर आवारा पशुओं का विचरण करना कोई नई बात नहीं है।परन्तु निश्चित रूप से जिस तरह मानव जनसँख्या में वृद्धि हो रही है उसी तरह पशुओं की संख्या भी दिनोंदिन बढ़ती ही जा रही है। परन्तु पशुओं के पालन पोषण में व्यावसायिक दृष्टिकोण होने के चलते प्रायः पशु पालक इन पशुओं से तब तक ही अपना संबंध रखते हैं जब तक कि वे अपने मालिक के लिए कमाई का साधन हैं। जैसे ही कोई गाय दूध देना बंद करती है या कोई घोड़ा खच्चर बोझ उठाना या रेहड़ा घसीटना बंद करता है या बोझ उठाते उठाते बूढ़ा अथवा घायल हो जाता है उसी समय उसका स्वामी ऐसे पशुओं को बाहर का रास्ता दिखा देते है और वही जानवर अनियंत्रित होकर सड़कों पर फिरने लगते हैं। इसके अतिरिक्त यदि किसी पालतू गाय ने बछड़ा पैदा किया है तो अधिकांश गौ पालक उस नवजात बछड़े को भी फ़ौरन बाहर निकाल देते हैं और बछड़े के हिस्से का दूध या स्वयं पीते हैं या उसे बेच देते हैं। शहरों में अनेकानेक गौपालक ऐसे भी हैं जो सुबह सुबह अपनी गाय का दूध निकालकर उसे घर से बाहर निकाल देते हैं। और यही गायें सारा दिन आस पास के गली मुहल्लों में दरवाज़े दरवाज़े भटकती रहती हैं। और गौभक्त लोग पुण्य अर्जित करने के लिये अपने दरवाज़े पर दस्तक दे रही गायों को रोटी आदि देकर उसका पेट भरते हैं। बड़ा आश्चर्य है कि जिस भारतीय समाज में अयोध्याबृन्दावनहरिद्वार जैसे धर्मस्थान बुजुर्ग लोगोंविधवाओंअसहाय व अनाश्रित लोगों से भरे पड़े होंजिस देश में वृद्धाश्रम होंउस फुल रहते होंलोग अपने बूढ़े मां बाप दादा दादी के सेवा कर पाने में असमर्थ हों ऐसी मानसिकता रखने वाले समाज से सरकार यदि यह उम्मीद करे कि वे बूढ़ी और बिना दूध देने वाली गायों की अंत तक परवरिश करे या उस बछड़े को दूध पिलाये जिससे कभी कुछ फ़ायदा ही नहीं मिलना अथवा किसी बूढ़े घोड़े-खच्चर को बेवजह पाले तो यह कैसे संभव है ?

सरकार ने गौवंश की रक्षा के नाम पर ज़बरदस्त तरीक़े से चुनावी कार्ड खेलकर केंद्र से लेकर विभिन्न राज्यों तक की सत्ता तो झटक ली परन्तु इनकी सुरक्षा व इनसे सुरक्षा के नाम पर कोई कारगर योजना नहीं बनाई गयी। यही वजह है कि आज पूरे देश में एक ही दिन में दर्जनों दुर्घटनायें हो रही हैं। कहीं सड़कों पर अनियंत्रित गौवंश वाहनों से टकरा रहे हैं और बड़ी दुर्घटना का कारण बन रहे हैं।

कहीं कोई पशु अचानक अनियंत्रित होकर दौड़ता हुआ किसी भी वाहन या व्यक्ति से टकराकर लोगों की जान ले रहा है। कोई किसी को अपनी सींग से मार मार कर उसकी जान ले रहा है। बिजली के खंबों पर लगे तमाम बिजली रीडिंग मीटर इन्हीं पशुओं ने अपनी गर्दन व सींग से रगड़कर तोड़ फोड़ कर गिरा दिये हैंकई जगह करंट लगने से भी ऐसे ही पशुओं की मौत हो चुकी है। परन्तु सरकार केवल गौ रक्षक होने के अपने दावे पर ही इतरा रही है। प्रायः ऐसे अनियंत्रित छुट्टा पशुओं से दुखी व आतंकित किसान व ग्रामीण अपनी व्यथा भी बयान करते रहते हैं कि किस तरह महीनों तक सारी सारी रात जागकर ऐसे आवारा पशुओं के झुण्ड से वे अपनी फ़सल को बचाते हैं और यदि इसमें वे ज़रा भी लापरवाह हुए तो सारी फ़सल जानवर चर जाते हैं। यदि किसान ऐसे पशुओं से अपने खेतों की रक्षा के लिये कंटीले या धारदार तार लगाकर खेतों को सुरक्षित करने की कोशिश करता है तो उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों ने ऐसे धारदार तारों को भी प्रतिबंधित कर दिया है। ग़ौरतलब है कि प्रदेश में बढ़ते चारे की कमी और पशुओं के दुधारू न होने की वजह से पशुपालक ऐसे लाखों पशुओं को छुट्टा छोड़ देते हैं और इन्हीं पशुओं से फ़सल को बचाने के लिए किसान अपने खेत के चारों ओर कंटीले तार लगा देते हैं। परन्तु उत्तर प्रदेश के किसान अब गौवंश से खेत को बचाने के लिए ब्लेड वाले या फिर कंटीले तारों का प्रयोग नहीं कर सकेंगे। उत्तर प्रदेश सरकार ने इसे प्रतिबंधित कर दिया है। खेत की सुरक्षा के लिए अब किसान केवल रस्सी का ही प्रयोग कर सकेंगे। अगर उन्होंने कंटीले तार लगाए और उससे गौवंश घायल हुए तो उनके विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई होगी। उत्तर प्रदेश पशुपालन विभाग की ओर से सभी ज़िलाधिकारियों को निर्देश जारी कर दिए गए हैं कि इसका उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध दण्डात्मक कार्रवाई की जाए। सरकार का तर्क यह की इससे पशु घायल हो जाते हैं यहाँ तक कि उनकी मौत हो जाती है। इस तरह का सरकारी आदेश इस निष्कर्ष पर पहुँचने के लिये पर्याप्त है कि सरकार की नज़रों में किसानों की फ़सल और आम लोगों की जान से अधिक क़ीमत उन बेलगाम अनियंत्रित छुट्ठा पशुओं की है जो आये दिन किसानों की फ़सल भी बर्बाद करते हैं और दुर्घटनाओं का कारण भी बनते हैं। कुछ समय पूर्व झारखण्ड से हिंदूवादी संगठनों के हवाले से एक अजीब समाचार पढ़ने को मिला। चंद तथाकथित गौ प्रेमियों द्वारा ज़िलाधिकारी को एक ज्ञापन दिया गया जिसमें कहा गया था कि सड़कों पर बैठे व विचरण करते गौवंश से अक्सर वाहन टकरा जाते हैं जिससे गौवंश घायल हो जाते हैं। अतः सरकार गौवंश की सुरक्षा भी सुनिश्चित करे तथा गौवंश से टकराने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध सख़्त आपराधिक कार्रवाई भी करे। गोया स्पष्ट रूप से ऐसा वातावरण बनाया जा रहा है जिसमें इंसान की क़ीमत कम और जानवर की ज़्यादा है। जहां तक विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा गौपोषण हेतु अथवा इनकी देख भाल के लिये गौशालाएं खुलवाने अथवा अन्य प्रोत्साहन नीतियां बनाने या राशि आवंटित करने का सवाल है तो इससे जुड़े भ्रष्टाचार के भी सैकड़ों सचित्र क़िस्से सामने आ चुके हैं। अभी गायों में फैले लंपी वायरस की बीमारी ने लाखों गायों की जान लेली।

उल्टी चाल

होता जन्म से ही जीवन शुरू,
बनता कोई चेला तो कोई गुरु,
धीरे-धीरे जीवन ऊंचाइयों की ओर बढ़ता,
चरम सीमा पर आकर एक बिंदु पर खड़ता,
हो जाता शुरू घर लौटने का दौर,
है शांति जहां नहीं कोई शोर,
चमक- दमक फिर मुरझाती खाल,
यहां से चला वहीं पहुंचे उल्टी चाल।

समय के साथ मिट जाते संबध,
लुप्त होती सुगंध आती दुर्गंध,
पद प्रतिष्ठा मान सब चले जाते,
समय के साथ नए रिश्ते बन जाते,
कुछ कर दिखाने की होती है सीमा,
बीत जाने पर समय होता सब धीमा,
नहीं होता अपना संग्रहित किया माल,
यहां से चला वहीं पहुंचे उल्टी चाल।

सुकर्म का फल भविष्य में मिलता अच्छा,
हो जाता अमर इंसान जो सीधा सच्चा,
कुछ पाप की गठरी को जीवन भर ढोते,
बार-बार बदल कर वेष हर घड़ी रोते,
जीते हैं जीवन को होकर बेखबर,
नहीं परवाह होगी विपत्तियों भरी डगर,
नहीं गल पाती हर बार उनकी दाल,
यहां से चला वहीं पहुंचे उल्टी चाल।

जीवन में हर कदम को सोचकर रखा जाए,
किसी जन्म में न दुखों का अंबार आए,
पलभर के आनंद के लिए दूसरों पर संकट,
विषम परिस्थितियां वशीभूत भरे पानी पनघट,
कुछ पल के लिए ज्ञान भी हो जाता लुप्त,
रह जाता हर जन्म का रहस्य गुप्त,
बड़े ही साधारण होते प्रकृति के सवाल,
यहां से चला वहीं पहुंचे उल्टी चाल।

अच्छे बुरे का अगर इंसान को हो जाए ज्ञान,
कर्म करते समय रहे सही का ध्यान,
जीवन जीना हो जाएगा बड़ा ही सरल,
रखने हैं सहेज कर सभी पदार्थ तरल,
जो सोचता है सदा दूसरों का ही भला,
सदा के लिए दूर हो जाती है कलह,
हृदय में सदा ही उत्तम गुण पाल,
यहां से चला वहीं पहुंचे उल्टी चाल।

डॉ विनोद कुमार शर्मा, चंडीगढ़

राहुल की पदयात्रा से मजबूत होगी कांग्रेस?

रमेश सर्राफ धमोरा

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 145 दिनों तक चली भारत जोड़ो पदयात्रा का श्रीनगर के लाल चौक में तिरंगा झंडा फहराने के साथ ही समापन हो गया है। 7 सितंबर को कन्याकुमारी से प्रारंभ हुई भारत जोड़ो पदयात्रा 12 राज्यों व 2 केंद्र शासित प्रदेशों से होकर गुजरी है। पदयात्रा के दौरान राहुल गांधी करीबन 3970 किलोमीटर पैदल चले हैं। अब तक देश की राजनीति में एक असफल नेता के रूप में जाने जाने वाले राहुल गांधी अपनी इस पदयात्रा के बाद एक नए अवतार में परिपक्व राजनेता के रूप में नजर आने लगे हैं। पदयात्रा के दौरान राहुल गांधी ने लोगों से सीधे संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं से रूबरू हुए। यात्रा के दौरान राहुल गांधी का पूरा प्रयास था कि वह पूरी तरह वीआईपी कल्चर से दूर रहे। इस पदयात्रा में राहुल गांधी का एक अलग ही रूप देखने को मिला जो लोगों को आकर्षित व प्रभावित करने में सफल रहा है। कभी देश पर एकछत्र राज करने वाली कांग्रेस पार्टी मौजूदा दौर में बहुत कमजोर स्थिति से गुजर रही है। 2014 के बाद तो लोकसभा में कांग्रेस को विपक्ष के नेता के का पद भी नहीं मिल पाया है। देश के अधिकांश राज्यों में कांग्रेस सत्ता से बाहर हो चुकी है। लगातार चुनाव हारने के कारण कांग्रेस नेता राहुल गांधी की छवि भी बहुत कमजोर हो गई थी। उन्हें जनाधार विहीन नेता के तौर पर माना जाने लगा था। राजनीतिक पर्यवेक्षक भी मानने लगे थे कि राहुल गांधी में चुनाव जिताने की क्षमता नहीं है। उनके नेतृत्व में कांग्रेस शायद ही फिर से देश की बड़ी राजनीतिक पार्टी बन सके। इन्हीं सब आशंकाओं के मध्य राहुल गांधी ने कुछ ऐसे फैसले किए जिनसे उनकी छवि एक दृढ़ निश्चयी मजबूत नेता के रूप में उभरी है। 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी की करारी हार के बाद राहुल गांधी ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। उस समय सभी ने उनसे इस्तीफा वापस लेने के लिए बहुत दबाव भी डाला था। मगर वह अपने फैसले पर अटल रहे। अंततः सोनिया गांधी को कांग्रेस का अंतरिम अध्यक्ष बनना पड़ा था। करीब तीन साल बाद कांग्रेस पार्टी में राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के चुनाव करवाए गए। इस दौरान भी कांग्रेस के सभी बड़े नेताओं ने राहुल गांधी से कांग्रेस अध्यक्ष का पद संभालने की अपील की थी। जिसे उन्होने सिरे से खारिज कर दिया था।

विकास यात्रा के चौथे दिन कई ग्रामो में विकास रथ लेकर पहुँचे राज्यमंत्री श्री यादव

मुंगावली–मध्यप्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही विकास यात्रा को लेकर मध्यप्रदेश सरकार के राज्य मंत्री ब्रजेन्द्र सिंह यादव चौथे दिन ग्राम बमौरी टांका पारकना बम्मन खिरिया सोनाई साजनमऊ पहुचे जहाँ पारकना में सीसी रोड का भूमिपूजन दो लाख तेरासी हजार ढिमचोली में उप स्वास्थ्य केंद्र का भूमिपूजन लागत 43 लाख 80 हजार के विकास कार्यो का भूमिपूजन और लोकार्पण किये जो विगत वर्षों में विकास कार्य कराए गए हैं वा मध्य प्रदेश सरकार द्वारा जो भी गरीब हितेषी कल्याणकारी योजना है प्रदेश प्रदेश में चलाई जा रही है उनकी जानकारी गांव-गांव तक हर वर्ग के लोगों को मिले और जो भी लोगों की समस्याओं उनकी जानकारी मिल सके और उनकी समस्याओं का निराकरण तुरंत हो सके इसी भावना को लेकर मध्य प्रदेश की सरकार द्वारा विकास यात्रा रथ के माध्यम से गांव गांव बा पूरे विधानसभा क्षेत्रों में निकाली जा रही है इसी कड़ी में मुंगावली विधानसभा के विधायक पीएचई राज्यमंत्री बृजेंद्र सिंह के नेतृत्व में पूरे विधानसभा क्षेत्र में विकास यात्रा निकाली जा रही है जिसमें सभी भाजपा कार्यकर्ता व एसडीएम तहसीलदार जनपद सीईओ व अन्य अधिकारी मौके पर ही लोगों की समस्याएं सुनकर जो समस्याएं मौके पर निराकरण होने लायक है उनका निराकरण तुरंत कर दिया जाता है बा अन्य समस्याओं का निराकरण 25 तारीख के बाद पूरी प्राथमिकता के साथ किया जाएगा इसी कार्यक्रम में आज विकास यात्रा में लोगों की समस्याएं सुनी और शासन द्वारा चलाई जा रही अनेक कल्याणकारी और गरीब हितैषी योजनाओं की जानकारी सभा के माध्यम से जन-जन को दी विकास यात्रा में मुख्य अतिथि के रूप में बृजेंद्र सिंह यादव पीएचई राज्यमंत्री के अलावा शहराई भाजपा मंडल अध्यक्ष रविंद्र लोधी मुंगावली मंडल अध्यक्ष राजेश यादव जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि धर्मेंद्र सिंह जैन मंडल अध्यक्ष गांधी यादव जनपद सदस्य अंबरीश सिंह बेस किसान मोर्चा अध्यक्ष रणवीर सिंह खाकलोन सरपंच बलवीर सिंह यादव पारकना सरपंच कलंदर सिंह यादव अभय गुरु श्रवण पुष्पघा यशपाल यादव बृजेंद्र सिंह अस्पतखेड़ी नेतराम लोधी के अलावा एसडीएम मुंगावली रवि मालवीय दिनेश सावले जनपद पंचायत सीईओ जितेंद्र जैन के अलावा अन्य अधिकारी पुलिस स्टाफ सहित बड़ी संख्या में गांव गांव में ग्रामवासी मौजूद रहे।

शिलान्यास और भूमि पूजन कार्यक्रम संपन्न

लोकेशन - मुंगावली
संवाददाता जितेंद्र राय

वाली- मध्य प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री व मुंगावली से विधायक बृजेंद्र सिंह यादव भाजपा की विकास यात्रा के तहत मुंगावली विधानसभा क्षेत्र में गांव गांव जाकर लोगों से मिलकर उनको सरकार की योजनाओं की जानकारी हुआ व शिलान्यास और भूमि पूजन कार्यक्रम संपन्न कर रहे हैं । इसी बीच कल शाम का एक वीडियो सामने आया है जिसमें मंत्री बृजेंद्र सिंह को लोगों से मिलने के दौरान किसी ने करेच जो की खुजली वाला फली होती है जिसको शरीर में लगने के बाद काफी तेजी से खुजली चलती है लगा दी जिसके बाद मंत्री जी का बुरा हाल हो गया आखिरकार उनको बीच गांव में ही कपड़े निकाल कर नहाना पड़ा वा कपड़े बदलने पड़े। किसी शरारती तत्व ने मंत्री जी को स्वागत करते समय फूलों के साथ करेच के बीज या फली लगा दी जिसके बाद उनको लगातार मंत्री को लगाई खुजली शरीर में खुजली चलने लगी। यह पूरा मामला मुंगावली के देवर्छि गांव का बताया जा रहा है।

पीएचई मंत्री से की शिकायत व्यक्ति बोला मुझे दो थप्पड़ मारे, पुलिस वाला बोला वाला नहीं एक मारा था

मुंगावली संवाददाता
जितेंद्र राय

संपूर्ण के साथ मुंगावली विधानसभा में भी विकास यात्रा निकाली जा रही है विकास यात्रा के दौरान का एक वीडियो सामने आया है जिसमें सेहराई थाना प्रभारी और थाने में पदस्थ प्रधान आरक्षक पीएचई राज्यमंत्री से माफी मांगते नजर आ रहे हैं ग्रामीणों के अनुसार सोमवार को पुलिस थाथखेड़ा गांव में आरोपियों की तलाश में पहुँची थी जहाँ ग्राम के एक कार्यक्रम में डीजे बज रहा था जिस पर पुलिस ने डीजे बंद करने का कहते हुए एक व्यक्ति को थप्पड़ मार दिया । विकास यात्रा के दौरान जब पीएचई मंत्री ब्रजेन्द्र सिंह यादव सोनाखेडी गांव पहुँचे तो वह व्यक्ति पुलिस की शिकायत लेकर मंत्री के पास गुहार लगाने पहुँचा जहाँ सेहराई थाने में पदस्थ प्रधान आरक्षक व थाना प्रभारी पीएचई मंत्री से माफी मांगते नजर आए। वही पुलिस के प्रधान आरक्षक व सेहराई थाना प्रभारी बोले गलती हो गई पीएचई मंत्री बोले ऐसी गलती आगे से न हो। व्यक्ति पुलिस वाले से मंत्री के सामने बोला आपने दो थप्पड़ मारे जिस पर पुलिस वाला बोला एक ही मारा था। इस दौरान सेहराई थाना प्रभारी भी माफी मांगते नजर आए।

श्री हनुमान सत्संग धाम कृष्णा विहार में हुई आध्यात्मिक काव्यगोष्ठी

महेंद्र शर्मा, उपसंपादक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। कृष्णा विहार ,ग्वालियर स्थित श्री हनुमान सत्संग धाम में आध्यात्मिक काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सत्संग धाम के पीठाधीश्वर श्री महामंडलेश्वर संतोष गुरुजी के सानिध्य में उक्त आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रारम्भ में अतिथियों का परिचय कवि साजन ग्वालियरी द्वारा कराया गया । मां सरस्वती की वंदना जगदीश गुप्त महामना ने प्रस्तुत की। सभी कवियों के स्वागत के पश्चात् काव्य पाठ के क्रम में कवि डॉ. लोकेश तिवारी, कवि रामचरण÷ रुचिर ÷ अनंगपाल सिंह भदौरिया अनंग , डॉ. किंकर पाल सिंह जादौन, सुरेंद्र पाल सिंह कुशवाह, जगदीश गुप्त महामना, डॉ रवींद्र नाथ मिश्र,रामलाल साहू बेकस, दिनेश विकल महामंडलेश्वर श्री संतोष गुरु जी सहित कार्यक्रम का संचालन कर रहे साजन ग्वालियरी आदि ने एक से बढ़कर एक काव्य रचनाएं प्रस्तुत कर सदन को बासंती गीतों के साथ आध्यात्मिक भाव से भर दिया।

काव्य पाठ के काव्यांश इस प्रकार रहे।

राम मय है धरा , है राम का है गगन।
कोकिल बागन कूंकती, घोले मोहक नाद।
तरुणाई लेकर धरा, करे मौन संवाद।।
कवि रामचरण रुचिर÷

अंकुरों में उमगते उल्लास के दिन,
आ गए फिर फागुनी मधुमास के दिन।
सरसों की हर पांखुरी
नाचे जैसे मोर ।।

डॉ. किंकर पाल सिंह जादौन
शीत शिथिल रवि प्रखरता,
पुलक भरी चहुं ओर।
नाम गीता का दिल से लिया कीजिए। पाठ गीता का हरदम किया कीजिए।।
रामलाल साहू बेकस
सड़ी गली सर्दी ठिठुरन का सुखद अंत हूं । मैं बसंत हूं।
अनंग पाल सिंह अनंग
मिल ना पाए जो तुमसे अलग बात है। दर्द चलता रहा एक घड़ी की तरह ।
डॉ रवींद्र नाथ मिश्र
नाम गिनाए हम किन-किन का,
जिन की दाढ़ी में है तिनका।
मन का मैल नहीं धो पाए,
विज्ञापन करते हैं, रिन का।
कवि साजन ग्वालियरी
इसी प्रकार जगदीश गुप्त ÷महामना÷ ने आध्यात्मिक गीत पढ़कर खूब वाहवाही लूटी।इस अवसर पर अनेक गणमान्य जन,भक्त गण श्रोता के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी का आभार प्रदर्शन महामंडलेश्वर श्री संतोष गुरुजी ने किया।
सुरेंद्र पाल सिंह कुशवाह
अंधेरा बहुत जिंदगी के सफ़र में । संभलकर कदम अपने रखना डगर में।
दिनेश विकल
नाम गीता का दिल से लिया कीजिए। पाठ गीता का हरदम किया कीजिए।।

मेरी शर्म , मेरा ग्वालियर

आज देश के सर्वाधिक गर्म अडाणी मुद्दे को छोड़कर मै अपने शहर ग्वालियर को लेकर लिख रहा हूँ. ऐतिहासिक शहर ग्वालियर में स्मार्टसिटी परियोजना और नगर निगम ने मिलजुलकर जगह-जगह % मेरा गौरव,मेरा ग्वालियर % के बोर्ड लगाए हैं लेकिन हकीकत में शहर की दुर्दशा देखकर %मेरा ग्वालियर%मेरी शर्म% में तब्दील हो चुका है . ग्वालियर में इस समय गर्व करने लायक एक भी चिन्ह नहीं है .पूरा शहर एक कूड़ेदान की तरह नजर आ रहा है. ग्वालियर की मौजूदा दशा को देखकर शायद ही कोई यकीन करे की इस शहर से माननीय नरेंद्र मोदी जी के मंत्रिमंडल में ग्वालियर से दो सदस्य हैं .विकास की दौड़ में पिछड़े ग्वालियर में प्रवेश करते ही आपको लगेगा की आप किसी बड़े गांव में आ गए हैं .ग्वालियर धूल-धूसरित और अराजक हो चुका है .

ग्वालियर शहर को गर्व करने लायक बनाने का दायित्व नगर निगम,ग्वालियर विकास प्राधिकरण और स्मार्ट सिटी परियोजना का है ,लेकिन ये तीनों संस्थाएं अपना काम करने में नाकाम रहीं हैं. तीनों के बीच न कोई समन्वय है और न संवाद .सब सपनी-अपनी ढपली बजा रहे हैं .नगर निगम शहर को साफ-सुथरा रखने में नाकाम रहा है. आजतक शहर में प्रभावी कचरा संग्रहण व्यवस्था नहीं है. शहर के प्रमुख बाजारों तक में कचरे के ढेर लगे हैं ,गली-मोहल्लों की तो हालात अकल्पनीय रूप से खराब है . शहर के बीच कथित विकास कार्यों के लिए की गयी खुदाई के कारण चलना दूभर है. सड़कों पर रेत,मिटटी,और मलबे के ढेर इतनी बड़ी तादाद में हैं की सांस लेना मुश्किल है .अगर आप ग्वालियर की हवा की जाँच रिपोर्ट पड़ लें तो आपके होश फाख्ता हो जायेंगे .ग्वालियर में रहकर अगर आप सांस ले पा रहे हैं तो ऊपर वाले की मेहरबानी है अन्यथा वायु प्रदूषण इतना है की श्वसन तंत्र की तमाम बीमारियां आपकी मेहमान बन ही जाती हैं . इस ऐतिहासिक शहर की सबसे बड़ी समस्या यदि वायु प्रदूषण है तो ,अराजक यातायात व्यवस्था भी कम दमघोंटू नहीं है .एक भी स्वचलित सिग्नल वैज्ञानिक तरिके से काम नहीं करता .इंजीनियरिंग के हिसाब से सिग्नल पर रुकने और आगे बड़ने के समय में को तालमेल नहीं है फलस्वरूप पूरे शहर में जाम की स्थितियां बनी हुई हैं .यदि यातायात सिग्नल आपको 60 सेकेंड रोकता है तो 25 सेकेण्ड में निकलने के लिए कहता है ,इसलिए कभी भी ,किसी भी दिशा का यातायात निर्बाध नहीं हो पाता.लेकिन आप शिकायत करने कहाँ जाएँ ड़ कोई सुनने वाला ही नहीं है शहर के सभी स्थानीय निकायों ने केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के महल और सरकारी बंगले तक की व्यवस्था को ही चाक-चौबंद कर समझ लिया है की पूरा शहर मजे में है .यातायात पुलिस केवल चालान वसूल करने के लिए है. शहर की सभी आम सड़कों पर दो पहिया और छोटे चार पहिया वाहनों की तो छोड़िये यात्री और स्कूल बसों की पार्किंग आम है,कोई रोकने वाला नहीं,कोई टोकने वाला नहीं .प्रशासन ने पूरे शहर को भगवान भरोसे छोड़ दिया है . ग्वालीऔर शहर स्मारकों का शहर है लेकिन ग्वालियर शहर के स्मारकों की दशा अत्यंत सोचनीय है. शहर के सारे बाड़-बागीचे उजाड़ पड़े हैं. शहर में डिवाइडरों पर बिना सोचे समझे पौधे लगा दिए गए हैं जो शहर की सुंदरता में चार चाँद लगाने के बजाय उसे और कुरूप कर रहे हैं .शहर का एक भी चौराहा निर्बाध ,प्रदूषणमुक्त नहीं है. शहर में प्रवेश करते ही उबकाई आने लगती है .शहर का एक भी फुटपाथ अतिक्रमण से मुक्त नहीं है. यहां तक की शहर के हृदय स्थल महाराज बाड़ा पर भी फुटपाथ का अतापता नहीं है .फुटपाथों में न एक रूपता है और न समानता .कहीं ये चार फीट चौड़ा है तो कहीं एक फीट चौड़ा . ग्वालियर के जन प्रतिनिधियों के निकम्मेपन की वजह से शहर में आज तक सिटी बीएस सेवा शुरू नहीं हो सकी.सरकार ने तमाम सरकारी दफ्तरों को शहर के बाहर स्थानांतरित कर दिया लेकिन वहां तक आवागमन का स्थाई इंतजाम नहीं किया .सिटी बसों के बिना सैकड़ों स्टापेज बना दिए अब वहां कचराघर बन गए हैं,क्योंकि बसें तो आती ही नहीं .स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत बनाये गए साइकल स्टेण्ड वीरान पड़े हैं,साइकलों का आता -पता नहीं है .

जिले के 103 ग्रामों का भ्रमण कर चुकी है विकास यात्रा

रितेश कटरे ब्युरो चीफ
पुष्पांजली टुडे बालाघाट

05 से 25 फरवरी तक निकाली जा रही विकास यात्रा के क्रम में बालाघाट जिले में 07 फरवरी तक विकास यात्रा जिले के 06 विधानसभा क्षेत्रों बैहर, लांजी, परसवाड़ा, बालाघाट, वारासिवनी एवं कटंगी के 103 ग्रामों एवं नगरीय क्षेत्रों के वार्डों का भ्रमण कर चुकी है। विकास यात्रा के दौरान 06 करोड़ 74 लाख रुपये की लागत के 110 कार्यों का लोकार्पण किया गया है तथा 14 करोड़ 40 लाख रुपये की लागत के 185 कार्यों का भूमिपूजन किया गया है। इस प्रकार विकास यात्रा में अब तक जिले में 21 करोड़ रुपये के 295 कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया जा चुका है। विकास यात्रा के दौरान अब तक 2816 आवेदन प्राप्त किये गये हैं और उनमें से 2578 आवेदनों का निराकरण कर दिया गया है। विकास यात्रा आज 08 फरवरी को खैरलांजी तहसील के ग्राम खैरी, सावरी, चुटिया, लांजी तहसील के ग्राम कालीमाटी, सावरीखुर्द, वारी, भुरसाडोंगरी, परसवाड़ा तहसील के ग्राम झिरिया, ठेमा, खरपड़िया, बिरसा तहसील के ग्राम टिंगीपुर, बालाघाट तहसील के ग्राम आवलाझरी पहुंची और ग्रामीणों के साथ संवाद किया तथा शासकीय योजनाओं से लाभावित होने वाले हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण किया गया। विकास यात्रा के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में लाड़ली योजना के स्वीकृति पत्र, जाति प्रमाण पत्र, संबल कार्ड, ई-श्रमिक कार्ड, खाद्यान्न पर्ची, आयुष्मान कार्ड, भू-अधिकार पट्टा, ऋण पुस्तिका एवं अन्य योजनाओं के हितलाभ का वितरण किया जा रहा है।

खुशियों का पैगाम लेकर गावों में पहुंच रही है विकास यात्रा–आज दिनांक 08 फरवरी 2023 को बैहर विधानसभा क्षेत्र के ब्लॉक बिरसा की विकास यात्रा में ग्राम पंचायत बाहकल में जिला पंचायत सदस्य श्रीमती अनुपमा नेताम द्वारा सुमन यादव को मुख्यमंत्री कल्याणी पेंशन और कलमू खैरवार को इन्दिरा गांधी वृध्दा पेंशन प्रति माह 600 रुपये का स्वीकृति आदेश वितरण किया गया। इसी प्रकार परसवाडा विधानसभा क्षेत्र के ब्लॉ क परसवाडा की विकास यात्रा में जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री समल सिंह धुर्वे द्वारा ग्राम पंचायत ठेमा में चैनबती बाई को इंदिरा गांधी राष्ट्री य विधवा पेंशन एवं खेलन बाई को कन्यार अभिभावक पेंशन प्रतिमाह 600 रुपये का स्वीकृति आदेश वितरण किया गया है। इस आदेश को प्राप्त कर सुमन यादव, कलमू खैरवार, चैनवती बाई, खेलन बाई बहुत खुश है। विकास यात्रा उनके लिए खुशियों का पैगाम लेकर आयी है।

खाण्डाफरी जलाशय का होगा विशेष मरम्मत कार्य

विधायक हिना कावरे के प्रयास से मिली 35. 55 लाख की प्रशासकीय स्वीकृति

रितेश कटरे ब्युरो चीफ पुष्पांजली टुडे बालाघाट

लांजी विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम खाण्डाफरी, थानेगांव व टेकरी के किसानों द्वारा बहुप्रतीक्षित मांग जल्द ही पूर्ण होकर साकार होने वाली है। बता देगी 5 जनवरी 2023 को ग्राम पुर्वाटोला में आयोजित सड़क भूमि पूजन कार्यक्रम में खाण्डाफरी के सरपंच व ग्रामीण किसानों द्वारा खाण्डाफरी के बड़े तालाब के जीर्णोद्धार एवं सीमांकन की मांग की गई थी। पूर्वाटोला, सलंगटोला, खाण्डाफरी 3.32 किलोमीटर मार्ग जिसकी लागत 285. 88 लाख रुपए की लागत से स्वीकृत मार्ग के भूमि पूजन अवसर पर मुख्य अतिथि की आसंदी से विधायक सुश्री हिना कावरे ने उपस्थित ग्रामीणजन व जनप्रतिनिधियों को आश्वासन दिया था कि भोपाल स्तर पर प्रयास जारी है, प्रशासकीय स्वीकृति मिलते ही इस बड़े तालाब का जीर्णोद्धार हो जाएगा। विधायक सुश्री हिना कावरे के प्रयास से इस तालाब के जीर्णोद्धार के लिए जल संसाधन विभाग मध्यप्रदेश शासन द्वारा इसके सुधार एवं विशेष मरम्मत कार्य के लिए 35 लाख 55 हजार रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। यह खबर मिलते ही पूर्वाटोला ,टेकरी, खाण्डाफरी,वारी एवं आस-पास के ग्रामीणों ने हर्ष व्यक्त करते हुए विधायक हिना कावरे के प्रति आभार व्यक्त किया है।

विधायक कावरे को बताई थी समस्याएं–ग्राम पूर्वाटोला में सड़क भूमि पूजन अवसर पर विधायक सुश्री हिना कावरे को ग्राम के 33 एकड़ में फेल बड़ा तालाब के जीर्णोद्धार/मरम्मत के अलावा तारापाटा नाला में पुलिया निर्माण संबंधी मांगे रखी गई थी। बताया जा रहा है कि बड़ा तालाब के विशेष मरम्मत कार्य व सुधार के लिए प्रशासकीय स्वीकृति मिल गई है। इससे खाण्डाफरी, थानेगांव ,टेकरी के ग्रामीण किसानों को सिंचाई का फायदा मिलेगा। ग्रामीण जनता की ओर से विधायक महोदय का हृदय से आभार व्यक्त करते हैं।

राजू लखनलाल सोयाम सरपंच खाण्डाफरी

किसानों की सिंचाई में होगी वृद्धि – ऋषि पटेल दशरिया

उस समय जल स्तर बनाये रखने क्षेत्र में अनेक ताल तालाब बनाए गए थे। किंतु जीर्णोद्धार एवं मरम्मत के अभाव में इनका संरक्षण नहीं हो पाया। खाण्डाफरी एवं आस-पास के किसानों की मांग पर विधायक सुश्री हिना कावरे ने लगातार प्रयास कर यहां के बड़ा तालाब के जीर्णोद्धार के लिए राशि जारी कराई है, निश्चित ही इससे जल संग्रहण क्षमता बढ़ने के साथ-साथ आसपास के किसानों को सिंचाई का लाभ मिलेगा जिससे फसल वृद्धि के साथ किसानों की आय बढ़ेगी। दिनेश लांडे सभापति निर्माण सभापति जनपद लांजी ने कहा कि इस तालाब के जीर्णोद्धार की मांग लंबे समय से की जा रही थी। विधायक महोदया ने ग्रामीणों एवं किसानों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए प्रशासकीय स्वीकृति दिलाई है। जनपद क्षेत्र के किसानों व ग्रामीणों की ओर से आभार व्यक्त करता हूं।

किसानों की परेशानियां होगी दूर – अजय अवसरे उपाध्यक्ष जनपद पंचायत लांजी–खाण्डाफरी में 33 एकड़ में फैले तालाब का जीर्णोद्धार नहीं होने से गर्मी में यहां जल स्तर घट जाता था। विधायक सुश्री कावरे के प्रयास से इसके मरम्मत के लिए राशि जारी की गई है। इसके मरम्मत से जहां गर्मी के दिनों में जलस्तर बना रहेगा वहीं दूसरी ओर किसानों को सिंचाई में सुविधाओं के साथ-साथ पशुओं के लिए पेयजल तथा निस्तारी कार्यों में पानी का सदुपयोग होगा। जल है तो कल है यह बात यहां के किसानों के लिए सार्थक होगी।

पात्र हितग्राहियों को समुचित लाभ मिलना सुनिश्चित हो: गृह मंत्री डॉ. मिश्रा

इंदौर में 5 फरवरी से प्रारंभ होने वाली विकास यात्राओं की समीक्षा की

भोपाल। गृह और इंदौर जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि पात्र हितग्राहियों को समुचित लाभ दिलाया जाना सुनिश्चित करें। मंत्री डॉ. मिश्रा राज्य शासन के दिशा-निर्देशानुसार इंदौर जिले में भी 5 फरवरी से प्रारंभ होने वाली विकास यात्राओं की तैयारियों की समीक्षा इंदौर में कर रहे थे। उन्होंने निर्देश दिये कि विकास यात्राओं से जिले के नगरीय क्षेत्रों के प्रत्येक वार्ड की प्रत्येक बस्ती और ग्रामीण क्षेत्र में प्रत्येक गाँव के हर जरूरतमंद को लाभ दिलाया जाना सुनिश्चित करें। बैठक में कलेक्टर डॉ. इलैयाराजा टी ने यात्रा की तैयारियों तथा यात्रा के दौरान किए जाने वाले कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इंदौर में यात्रा में दिव्यांगों और अन्य जरूरतमंदों की समस्याओं के निराकरण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। यात्रा में मुख्यमंत्री स्वामित्व योजना के 10 हजार 650 भू-स्वामित्व प्रमाण-पत्र वितरित किए जाएँगे। साथ ही गाँवों में खसरा बी वन का वाचन कर फोती नामांतरण भी किया जाएगा। नए बीपीएल कार्ड किसान क्रेडिट कार्ड आयुष्मान कार्ड भी वितरित किए जाएंगे। नगरीय क्षेत्रों में पीएम स्वनिधि योजना तथा पीएम आवास योजना के हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण भी होगा।

करोड़ों रूपए के विकास कार्यों का होगा लोकार्पण /शिलान्यास: बैठक में जानकारी दी गयी कि यात्रा जिन मार्गों से गुजरेगी उन क्षेत्रों को विकास कार्यों की सौगात भी मिलेगी। यात्रा के मार्ग में आने वाले निर्धारित गाँवों में क्षेत्र के लिए विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास भी किया जाएगा।

हितग्राहियों से होगा संवाद: यात्रा के निर्धारित मार्ग में आने वाले गाँवों में हितग्राहियों से संवाद किया जाएगा। इसमें स्व-रोजगार मूलक योजनाओं के तहत चयनित लाभार्थियों को हितलाभ का वितरण होगा साथ ही हितग्राही संवाद कार्यक्रम में ऐसे लाभान्वित हितग्राही जिन्होंने योजनाओं का लाभ लिया है वह बताएंगे कि उन्हें योजना का लाभ क्या मिला कैसे मिला और इससे उनके जीवन में क्या बदलाव आया है। इसमें लाड़ली लक्ष्मी तथा प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना तथा बाल विवाह की रोकथाम के संबंध में शपथ दिलाई जाएगी। यात्रा में प्रतिदिन सांस्कृतिक कार्यक्रम लोक नृत्य और नुक्कड़ नाटक भी होंगे।

यात्रा में जल जीवन मिशन जैसी महत्वपूर्ण उपलब्धियों के संबंध में ग्रामीणों को अवगत कराया जाएगा। उन्हें हर घर-नल से जल योजना के क्रियान्वयन की जानकारी दी जाएगी। बैठक में बताया गया कि जलापूर्ति को सुलभ बनाने के लिए 226 और नई नल-जल योजना का शिलान्यास भी होगा।

पेट्रोल पंप पर एक हजार का ईंधन डलवाने पर निः शुल्क होगी पीयूसी जांच

इंदौर। इंदौर के प्रत्येक पेट्रोल पंप पर एक हजार रुपये का ईंधन डलवाने पर निश्शुल्क पीयूसी जांच का नियम है। इसका फायदा वाहन चालकों को उठाना चाहिए और अपने वाहनों की नियमित जांच करवानी चाहिए। ये बातें संभागायुक्त डा. पवन शर्मा ने कही। इंदौर में नान अटेनमेंट सिटी के संदर्भ में शुक्रवार को बैठक आयोजित की गई। इसमें संभागायुक्त ने इंदौर की एयर क्वालिटी को संतोषप्रद बताते हुए गुड स्तर पर लाने के प्रयास करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शहर में प्रदूषण फैलाने वाले व्यावसायिक वाहनों पर जुर्माना लगाया जाएगा, ताकि प्रदूषण के स्तर को गुड स्तर पर लाया जा सके।साथ ही निजी वाहन चालकों को भी जागरूक किया जाएगा।

वायु प्रदूषण रोकने के लिए लगाए फिल्टर

बैठक में निगम आयुक्त प्रतिभा पाल, अपर आयुक्त सिद्धार्थ जैन सहित परिवहन विभाग, कृषि विभाग, मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, पेट्रोल पंप वितरक आदि उपस्थित थे। बैठक में एमपीआइडीसी ने बताया कि पीथमपुर में विभिन्न फैक्ट्रियों में वायु प्रदूषण रोकने के लिए फिल्टर लगाए गए हैं।

प्रवासी भारतीय की 'प्रवासी प्रवाह' पुस्तक का हुआ विमोचन

शासकीय अहिल्या केंद्रीय पुस्तकालय में शुक्रवार को हिंदी परिवार द्वारा पुस्तक विमोचन और सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इसमें कैलिफोर्निया से आए प्रवासी भारतीय राजीव रत्न पाराशर द्वारा लिखी पुस्तक प्रवासी प्रवाह का विमोचन हुआ तथा संस्था ने उनका सम्मान किया। इस मौके पर राजीव रत्न ने बताया कि वे 26 वर्ष पहले इसी पुस्तकालय में रोज पढ़ने आते थे।

महिलाओं के प्रति भेदभाव के नजरिए में बदलाव के लिए चिकित्सक आगे आएँ: राज्यपाल पटेल

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने चिकित्सकों से कहा है कि महिलाओं के प्रति भेदभाव के समाज के नज़रिए में बदलाव के प्रयास में सहयोग करें। इनफर्टिलिटी की समस्या के लिए महिलाओं को दोषी मानने की भ्रामक अवधारणा का खंडन आगे बढ़ कर किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज के वंचित पिछड़े समुदाय और क्षेत्रों तक समान चिकित्सा सुविधाएँ पहुँचाने के प्रयास में चिकित्सक संगठनों का सहयोग ज़रूरी है। चिकित्सक संगठन समाज की सेवा भावना के साथ समर्पित प्रयासों से समाज के वंचित क्षेत्र और समुदाय में चिकित्सा सेवाओं की उपलब्धता में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। राज्यपाल श्री पटेल आज इंडियन सोसाइटी ऑफ़ असिस्टेड रिप्रोडक्शन की 27वीं वार्षिक कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में केबिनेट की प्रथम बैठक का पहला एजेंडा बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ रखा था। उन्होंने महिलाओं के सशक्तिकरण के नए वातावरण का निर्माण किया है। आवश्यकता उनके प्रयासों में सहयोग देने की है। राज्यपाल ने गरीब एवं ज़रूरतमंद निःसंतान दम्पतियों की सहायता परिवार कल्याण और प्रजनन विज्ञान के विभिन्न पहलुओं पर अध्ययन के लिए सभी मेडिकल विशेषज्ञ वैज्ञानिक और सामाजिक संस्थाओं के साथ मिल कर कार्य करने के लिए आई.एस.ए.आर. के प्रयासों की सराहना की। फेडरेशन ऑफ ऑब्स्टेट्रिक एंड गायनेकोलॉजिकल सोसाइटीज ऑफ इंडिया के अध्यक्ष डॉ. ऋषिकेष पई ने कहा कि स्वस्थ नारी सुखी नारी के लिए स्वास्थ्य सेवाओं के एकीकरण समानता और तकनीकी गतिशीलता के प्रयास की ज़रुरत है। इंडियन सोसाइटी ऑफ़ असिस्टेड रिप्रोडक्शन की अध्यक्ष डॉ नंदिता पलशेटकर ने कहा कि संतान हर व्यक्ति का अधिकार है। संतान की खुशी देने के लिए मानवता की सेवा के जज्बे के साथ प्रयास ज़रूरी हैं। संस्था की सचिव डॉ. सुजाता कर ने संस्था की प्रगति का विवरण दिया। उन्होंने बताया कि संस्था द्वारा न्यूज़ लेटर कार्यशाला सेमीनार और ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सेमीनार किए गए हैं। राज्यपाल श्री पटेल ने कॉन्फ्रेन्स में 11 चिकित्सक को विभिन्न क्षेत्रों में योगदान के लिए संस्था की ओर से सम्मानित किया। सम्मानित चिकित्सकों में डॉ. नंदिता

शहडोल में एक और बीमार बालिका को 24 बार गर्म सलाखों से दागा

शहडोल। आदिवासी क्षेत्रों में अंधविश्वास के चलते बच्चों के साथ गर्म सलाखों से दागकर इलाज करने की कुप्रथा लगातार बढ़ रही है। जिले के सिंहपुर कठौतिया गांव में ढाई महीने की बच्ची को 51 बार गर्म सलाखों से दागने की मौत के बाद एक और मामला सामने आया है। कठौतिया से लगे गांव सामतपुर में एक और बच्ची को इलाज के नाम पर 24 बार गर्म सलाखों से दाग गया है। सिंहपुर कठौतिया गांव से तीन किमी दूर बसे सलामतपुर गांव में तीन महीने की बच्ची को दागने का मामला सामने आया है। हालत बिगड़ने पर मासूम को मेडिकल कालेज शहडोल में भर्ती कराया गया। हालत गंभीर होने पर परिजन मेडिकल कालेज से निजी अस्पताल ले गए हैं।

सांस लेने में समस्या

जानकारी के अनुसार तीन माह की शुभी कोल को सांस लेने में समस्या है। मां सोनू कोल व पिता सूरज कोल किसी बिना डिग्री धारी डाक्टर से इलाज कराया लेकिन राहत नहीं मिली। बाद में मेडिकल कालेज लेकर पहुंचे। लगातार बीमार होने पर गांव की एक महिला ने गर्म सलाखों से स्वजनों की सहमति से दागा है। गांव में स्वास्थ्य सुविधा न मिलने से खैरहा में बिना डिग्रीधारी डाक्टर के पास ले गए थे। वहां पर हालत में सुधार नहीं आया तो बुढ़ार लेकर पहुंचे। यहां से मेडिकल कालेज के लिए रेफर कर दिया गया। बालिका को 24 बार गर्म सलाखों से दागने के निशान उसके शरीर में बने हैं।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस से शुरू होगा लाड़ली बहना योजना के आवेदन लेने का कार्य: मुख्यमंत्री चौहान

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि बहनों के लिये शुरू की जा रही लाड़ली बहना योजना के आवेदन अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस से लेना प्रारंभ किये जायेंगे। योजना में गरीब एवं मध्यमवर्गीय परिवार की महिलाओं को प्रति माह एक-एक हजार रुपये की राशि उनके खाते में अंतरित की जायेगी। हितग्राहियों को चिन्हित करने के लिये गाँव-गाँव और वार्डों में जाकर आवेदन भरवाये जायेंगे। मुख्यमंत्री ने महिलाओं से आहवान किया कि वे योजना में मिलने वाली राशि का उपयोग परिवार को मजबूत बनाने में करें।

मुख्यमंत्री की चौहान आज विदिशा में मुख्यमंत्री जन-सेवा अभियान में भोपाल सागर और उज्जैन संभाग के 24 लाख 94 हजार से अधिक हितग्राहियों को स्वीकृति-पत्र का वितरण कर रहे थे। मुख्यमंत्री की चौहान ने प्रदेश के 73 लाख किसानों के खातों में मुख्यमंत्री किसान-कल्याण योजना की राशि एक हजार 465 करोड़ रुपये सिंगल क्लिक से अंतरित की। साथ ही 80 करोड़ 95 लाख 21 हजार रूपये के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास भी किया। कन्या-पूजन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मैं अपनी बहनों की जिन्दगी को आसान बनाना चाहता हूँ। पूर्व से संचालित योजनाओं के साथ अब लाड़ली बहना योजना मेरी बहनों की जिन्दगी को सँवारेगी। योजना में मिलने वाली राशि से महिलाएँ अपने बच्चों के लिए दूध फल और सब्जी की व्यवस्था कर सकेगी। उन्होंने कहा कि पूर्व सरकार ने हमारी बहुत सी जन-कल्याणकारी योजनाओं को बंद कर दिया था वे सभी योजनाएँ पुनः शुरू कर दी गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जो कहीं नहीं हुआ वह मध्यप्रदेश में हुआ है और जो किसी ने नहीं किया वह आपका भाई शिवराज करेगा।

मुख्यमंत्री की चौहान ने कहा कि मुझे प्रसन्नता है कि मुख्यमंत्री जन-सेवा अभियान से प्रदेश में 83 लाख ऐसे व्यक्तियों को चिन्हित किया गया जो शासकीय योजनाओं का लाभ लेने की पात्रता रखते हैं। इन सभी नागरिकों को 38 विभिन्न योजनाओं में लाभान्वित करने स्वीकृति-पत्र वितरण का कार्य प्रदेश में चल रहा है। आज भोपाल सागर और उज्जैन संभाग के 24 लाख 94 हजार से अधिक हितग्राहियों को स्वीकृति-पत्र का वितरण हुआ। मुख्यमंत्री की चौहान ने कहा कि 5 फरवरी से प्रदेश में शुरू हो रही विकास यात्रा में भी छूटे हुए लोगों को योजनाओं से जोड़ने का काम किया जायेगा। हमारा संकल्प है कि कोई भी पात्र परिवार योजनाओं का लाभ लेने से वंचित न रहे। मुख्यमंत्री की चौहान ने कहा कि हमारी सरकार किसान हितैषी सरकार हैं। पूर्व सरकार ने किसानों के साथ जो छल किया उसे सुधार करते हुए हमने सरकार में आते ही फसल बीमा की राशि भरी और किसानों को फसल बीमा की राशि दिलाई। उन्होंने कहा कि पिछले सवा 2 साल में हमारी सरकार ने फसल बीमा राहत राशि उद्यानिकी सोलर पंप और बिजली सब्सिडी जैसी अनेक योजनाओं में 2 लाख 25 हजार 837 करोड़ रुपये किसानों के खाते में डाले हैं। यह सहयोग निरंतर जारी रहेगा। किसान परिवार के घर में अभी तक 6 हजार रूपये प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि और 4 हजार रूपये मुख्यमंत्री किसान-कल्याण योजना के प्राप्त हो रहे थे। अब इन किसान परिवारों को 12-12 हजार रूपये लाड़ली बहना योजना के भी मिलेंगे। इस प्रकार एक साल में किसान परिवार को 22 हजार रुपये वार्षिक मिलना शुरू होंगे।

तीन दिन बंद रहेंगी उचित मूल्य की राशन दुकानें, प्रभावित होंगे पांच करोड़ हितग्राही

भोपाल।

अपनी मांगों को लेकर आल इंडिया फेयर प्राइज शाप डीलर्स फेडरेशन के समर्थन में शासकीय उचित मूल्य की दुकानों के विक्रेता एवं प्रबंधक तीन दिन हड़ताल पर रहेंगे। इससे राजधानी सहित पूरे प्रदेश में सात, आठ और नौ फरवरी को राशन वितरण बंद रहेगा, जिससे प्रदेश के पांच करोड़ से अधिक हितग्राही प्रभावित होंगे। फेडरेशन की मध्यप्रदेश इकाई ने इस बारे में मुख्यमंत्री, सहकारिता मंत्री और खाद्य मंत्री को अवगत कराया है।

राजधानी उपभोक्ता भंडार संचालक कल्याण समिति का कहना है कि वर्तमान में सेल्समैन को प्रति क्विंटल 70 रुपए कमीशन मिलता है। अप्रैल 2022 को यह कमीशन बढ़ाकर 90 रुपए कर दिया गया है, लेकिन वर्तमान समय तक बढ़ा हुआ कमीशन नहीं दिया गया। यही नहीं, पीएमजीकेवाय का कमीशन भी किसी दुकानदार को नहीं दिया गया। इसके पहले 13 माह की अंतर राशि भी अटकी हुई है। इस संबंध में कई बार अधिकारियों को अवगत कराया, लेकिन किसी ने भी इस पर ध्यान नहीं दिया। फरवरी माह का राशन वितरण किया जा रहा है। हड़ताल के चलते सात तारीख से तीन दिनों के लिए इसे रोक दिया जाएगा। ऐसे में महज 30 फीसदी को ही राशन मिल सकेगा। हड़ताल की घोषणा के बाद दुकानों पर हितग्राहियों की भीड़ बढ़ने लगी है। वहीं हर महीने की सात तारीख को अन्न उत्सव मनाया जाता है, लेकिन इस महीने यह नहीं मनाया जा सकेगा। इसकी तारीख अब 10, 11 और 13 फरवरी कर दी गई है। इसको लेकर खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण प्रमुख सचिव के द्वारा आदेश दिए गए है।

सड़क हादसे में एचआर हेड की मौत, साफ्टवेयर इंजीनियर घायल

इंदौर। शहर में शुक्रवार रात बड़ा हादसा हो गया। हादसे में एक युवक की मौत हो गई। मृतक की निजी कंपनी के एचआर हैड के रुप में पहचान हुई है। तुकोगंज पुलिस मामले की जांच कर रही है। हादसे में एक साफ्टवेयर इंजीनियर घायल भी हुआ है। दुर्घटना से आहत स्वजन अभी कुछ भी बोलने की स्थिति में नहीं हैं। तुकोगंज थाना के एसआइ शैलेंद्र अग्रवाल के मुताबिक घटना शहर के घंटाघर चौराहा की है। देर रात बाइक (एमपी 09वीएन 6894) डिवाइडर से टकरा गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक भिड़ंत इतनी जबरदस्त थी कि बाइक चकनाचूर हो गई। बाइक सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई जिसकी पहचान वेदांत के रुप में हुई है। उसका साथी आशीष गंभीर रुप से घायल हुआ है। एसआइ के मुताबिक वेदांत निजी कंपनी में एचआर हैड के रुप में काम करता था। स्वजनों के न आने के कारण अभी ज्यादा जानकारी नहीं मिल पाई है। घायल आशीष के संबंध में पता चला है कि वह आइटी कंपनी में साफ्टवेयर इंजीनियर है। वेदांत का शव एमवाय अस्पताल भिजवाया गया है।

जया किशोरी बोलीं, फुर्सत मिलने या संकट आने पर ही भगवान को याद करते हैं

नागदा जंक्शन। ईश्वर को याद करते ही नहीं है। भगवान को फुर्सत मिलने पर याद करते हैं। समय मिला तो याद किया, नहीं मिला तो नहीं किया। आप जब संकट में रहते हैं तब चाहे आधी रात ही क्यों न हो, याद करते हैं। संतुष्टि का भाव ही ईश्वर के निकट लाता है। यह बात हिंदू सनातन जागृति मंच समिति के तत्वाधान में वार्को सिटी में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन कथावाचक जया किशोरी ने कही।

भक्त प्रहलाद और ध्रुव का प्रसंग सुनाया: उन्होंने कथा में सुरूची, भक्त प्रहलाद, ध्रुव का प्रसंग सुनाया। उन्होंने बताया कि जिस व्यक्ति का जिसमें जीव रहता है, उसे वही जन्म मिलता है। भरत जड़भरत हिरण में उनका जीव था तो उन्हें वही जन्म मिला। भक्त प्रहलाद की असीम भक्ति के कारण भगवान ने उन्हें खंभे में दर्शन दिए। श्रीमद्भागवत कथा श्रवण ही प्रायश्चित का श्रेष्ठ उपाय बताया है।

भगवान का नाम लेने से मिट जाते हैं पाप: भगवान की शरण में रहने वाले भक्तों के पाप श्री भगवान के नामोच्चारण से ऐसे नष्ट हो जाते हैं, जैसे सूर्य उदय होने पर कोहरा नष्ट हो जाता है। कथा में मुख्य अतिथि कर्नाटक के राज्यपाल डा. थावरचंद गेहलोत, अतिथि पूर्व विधायक दिलीपसिंह शेखावत, जितेंद्र गेहलोत, भाजपा जिलाध्यक्ष बहादुरसिंह बोरमुंडला, सांसद प्रतिनिधि ओपी गेहलोत, नपा उपाध्यक्ष सुभाष शर्मा, पार्षद गोलू यादव, बद्रीलाल पोरवाल, आशीष जैन, पंकज मारू, रवि कांठेड़, बिट्टू यादव थे।

बुजुर्ग दंपती ने खाया जहर, पति की मौत, पत्नी की हालत गंभीर

विदिशा। शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र में स्थित बड़े बाजार में रहने वाले एक बुजुर्ग दंपती ने जहरीला पदार्थ खा लिया। उन्हें गंभीर हालत में विदिशा मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान पति की मौत हो गई, वहीं पत्नी की हालत भी नाजुक बनी हुई है। घटना शुक्रवार रात करीब नौ की बताई जा रही है। बड़ा बाजार निवासी 60 वर्षीय सुरेश शर्मा और उनकी 55 वर्षीय पत्नी प्रेम बाई ने घर में ही जहरीला पदार्थ खा लिया। स्वजनों ने तत्काल उन्हें मेडिकल कालेज में भर्ती कराया जहां कुछ देर बाद सुरेश शर्मा की मौत हो गई। वहीं प्रेम बाई का इलाज चल रहा है। शनिवार सुबह पुलिस ने मृतक सुरेश शर्मा का पोस्टमार्टम कराया। कोतवाली थाना प्रभारी आशुतोष शर्मा का कहना है कि बुजुर्ग दंपती द्वारा जहरीला पदार्थ खाने की वजह का फिलहाल पता नहीं चल पाया है। उनके स्वजनों के बयान लिए जाएंगे। मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक सुरेश शर्मा बड़ा बाजार मुख्य सड़क पर ही रहते थे। उनके घर के नीचे ही एक जिम है, जो उनका बेटा संचालित करता है।

मिलर के दरवाजे पर खड़ा धान से भरा ट्रक गायब

जबलपुर। खजरी चौराहे के पास स्थित अर्श इंडस्ट्रीज नामक राइस मिल के दरवाजे से गुरुवार की देर रात एक ट्रक रहस्यमय ढंग से गायब हो गया। शुक्रवार को जब इस घटना का पता चलने के बाद खोजबीन की गई तो ट्रक मुड़िया गांव के आगे एक ढाबे के पास लावारिस स्थिति में खड़ा मिल गया। इस मामले को लेकर माढ़ोताल थाने में एफआइआर तो दर्ज करा दी गई है, लेकिन पुलिस कोई भी जानकारी देने से परहेज कर रही है। इस मामले को दबाने के प्रयास भी शुरू कर दिए जाने की चर्चा है।

बताया जाता है कि गुरुवार की शाम शहपुरा के वेयरहाउस से कुछ ट्रकों में भर कर धान अर्श इंडस्ट्रीज के नाम संचालित राइस मिल तक पहुंची। ट्रकों के खाली होने में काफी विलम्ब हो जाने की वजह से एक ट्रक को मिल के बाहर ही लाक करके खड़ा करवा दिया गया। इसके बाद मिल के कर्मचारी और ट्रक का स्टाफ रात में अपने-अपने घर चले गए। शुक्रवार की सुबह जब मिल कर्मचारी और ट्रक का स्टाफ वापस आए तो उनको ट्रक मौके से नदारद मिला। क्योंकि धान वेयरहाउसिंग एंड लाजिस्टिक्स कार्पोरेशन द्वारा भेजा गया था, इसलिए मामला गंभीर रहा। आनन-फानन में पुलिस को सूचना देकर मिलर और ट्रांसपोर्टर ने अपने स्तर पर गायब ट्रक की पतासाजी शुरू की।

मुड़िया के पास मिला ट्रक

खोजबीन के दौरान गायब ट्रक क्रमांक एमपी 20 एचबी 5004 मुड़िया ग्राम के आगे मातेश्वरी ढाबा के पास लावारिस अवस्था में खड़ा मिल गया। ट्रक में धान नहीं पाया गया। इसके बाद धान का पता लगाने का प्रयास शुरू हुआ। कुछ देर में ही बोरियों में पैक धान भी ग्राम बम्हनौदा के एक घर से बरामद कर लिया गया। जहां धान की कट्टियां बरामद हुईं वो घर किसी राजू पटैल का रहा।

कोई भी कुछ बताने तैयार नहीं

पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है, लेकिन वो किसी को इस बारे में कुछ भी बताने को तैयार नहीं है। रात साढ़े नौ बजे के बाद भी फरियादी अरविंद अग्रवाल का कहना रहा कि उसने शाम को रिपोर्ट दर्ज करा दी थी, लेकिन एफआईआर की कापी उसे उस वक्त तक उपलब्ध नहीं कराई गई थी।

पढ़ने का शौक है तो लाइब्रेरी साइंस रहेगा बेहतर

आम तौर पर माना जाता है कि एक लाइब्रेरियन का काम सिर्फ किताबों की सही तरह से व्यवस्था करना है पर यह सही नहीं है। बल्कि लाइब्रेरियन का काम लाइब्रेरी की देखभाल व उसके लिए बजट तैयार करना होता है। इसके अलावा वह किताबों से संबंधित जानकारी व सूचनाओं को भी मुहैया कराता है। आज के समय में लोग भले ही सूचनाओं को कंप्यूटर या फोन पर हासिल करने लग गए हों, लेकिन फिर भी किताबों का महत्व उसी तरह बरकरार है। आज भी पढ़ने के शौकीन लोग कई तरह की किताबें, मैगजीन व अखबार आदि पढ़ना पसंद करते हैं और इसके लिए वह लाइब्रेरी का रूख करते हैं। वहां पर पत्र-पत्रिकाओं का एक बड़ा कलेक्शन मौजूद होता है और हर कोई अपनी पसंद की किताब वहां आसानी से पढ़ सकता है। अगर आपको हरदम किताबों से घिरे रहना पसंद है तो लाइब्रेरी साइंस का कोर्स करके बतौर लाइब्रेरियन अपना कॅरियर शुरू कर सकते हैं।

- **क्या होता है काम:** एक लाइब्रेरियन का काम सिर्फ किताबों की सही तरह से व्यवस्था करना ही नहीं होता, बल्कि वह पूरी लाइब्रेरी की देखभाल व उसके लिए बजट तैयार करना होता है। इसके अलावा वह किताबों से संबंधित जानकारी व सूचनाओं को भी मुहैया कराता है। आसान शब्दों में, एक लाइब्रेरी को बेहतर बनाने के लिए जिन भी प्रयासों की आवश्यकता होती है, वह सभी उसके कार्यक्षेत्र के अंतर्गत आते हैं।
- **स्किल्स:** इस क्षेत्र में कदम रखने वाले छात्रों को सबसे पहले तो किताबों से लगाव होना बेहद जरूरी है। अगर आपका किताबों के प्रति रूझान नहीं है तो यह क्षेत्र आपके लिए नहीं है। इसके अलावा आपके भीतर मैनेजमेंट स्किल्स भी होने चाहिए। अगर आपके कम्युनिकेशन स्किल्स भी उतने ही बेहतर होने चाहिए।
- **योग्यता:** इस क्षेत्र में सर्टिफिकेट कोर्स से लेकर डिप्लोमा, ग्रेजुएशन व पोस्ट ग्रेजुएशन कोर्स उपलब्ध हैं। अगर आप लाइब्रेरी साइंस में एक वर्षीय बैचलर डिग्री प्राप्त करना चाहते हैं तो आपके पास कम से कम स्नातक स्तर की योग्यता होनी बेहद आवश्यक है। ठीक इसी तरह, मास्टर्स डिग्री करने के लिए लाइब्रेरी साइंस में बैचलर डिग्री होनी चाहिए।

फूड टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में हैं आपार संभावनाएं

खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र (प्रोसेस्ड फूड) तैयार करने वाली मल्टीनेशनल कंपनियां बड़ी तादाद में भारत का रुख कर रही हैं। ऐसे में यह क्षेत्र तेजी से बढ़ रहा है। जिसको देखते हुए इस क्षेत्र में पारंगत लोगों की मांग भी बढ़ रही है। ऐसे में इस क्षेत्र को युवा अब आकर्षक कॅरियर के रूप में देख रहे हैं और इसके लिए जरुरी तकनीकी शिक्षा भी हासिल कर रहे हैं। कारोबार जगत के संगठन (फिक्की) की एक रिपोर्ट के मुताबिक फूड प्रोसेसिंग के कारोबार में भारत में कुशल लोगों की बेहद कमी है। आने वाले समय में फूड टेक्नोलॉजी का भविष्य बहुत ही सुनहरा होने वाला है। अगर आंकड़ों की मानें तो आने वाले कुछ सालों में यह उद्योग इस रफ्तार से बढ़ेगा कि नौकरियों की बहार होगी।

जरुरी योग्यता

ऐसे में यदि आप इस उभरते क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं तो फिजिक्स केमिस्ट्री व बायोलॉजी अथवा मैथमेटिक्स विषयों के साथ 10+2 में कम से कम 50 प्रतिशत अंक जरूरी हैं। एमएससी कोर्स करने के लिए फूड टेक्नोलॉजी से संबंधित विषयों में स्नातक की डिग्री भी आवश्यक होती है।

फूड टेक्नोलॉजिस्ट का काम

फूड प्रोसेसिंग सेक्टर के तहत वे सभी कार्य शामिल हैं जिनसे प्रोस्सेड फूड जैसे- मक्खन सॉफ्ट ड्रिंक जेम व जेली फ्रूट जूस बिस्कुट आइसक्रीम आदि की गुणवत्ता स्वाद और रंग-रूप बरकरार रह सके। इसके अलावा वह कच्चे और बने हुए माल की गुणवत्ता स्टोरेज तथा हाइजिन आदि की निगरानी भी करता है। वह कंपनी के लिए बहुत महत्वपूर्ण होता है। कच्चे माल से लेकर प्रोडक्ट तैयार होने तक कंपनी को उसकी हर स्तर पर जरूरत होती है।

ग्लोबल स्तर पर कंपनी का भविष्य फूड टेक्नोलॉजिस्ट की योग्यता पर ही निर्भर रहता है।

मैनुफैक्चर्ड प्रोसेसेज: इस प्रक्रिया के जरिए कच्चे कृषि उत्पादों और मीट आदि पशु उत्पादों के भौतिक स्वरूप में बदलाव लाया जाता है। इससे यह उत्पाद खाने और बिक्री योग्य बन जाते हैं। वैल्यु एडेड प्रोसेसेज के जरिए कच्चे खाद्य उत्पादों में कई ऐसे बदलाव किए जाते हैं। जिससे वह ज्यादा समय के लिए सुरक्षित रहते हैं और कभी भी खाने लायक बन जाते हैं। उदाहरण के लिए टमाटर से बने सॉस और दूध से तैयार आईसक्रीम जैसे उत्पादों को देखा जा सकता है।

किस लिए है जरूरत

फूड टेक्नोलॉजिस्ट की जरूरत आज सभी देशों को है। इसका उदेद्श्य लोगों को ऐसी खाघ सामाग्री पहुंचाना है जो गुणवत्ता और स्वाद के साथ-साथ पोषक तत्वों से भी भरपूर हो।

- इस क्षेत्र में किये जाने वाले प्रमुख कोर्स
- बीएससी (ऑनर्स) फूड टेक्नोलॉजी
- बीटेक फूड टेक्नोलॉजी
- एमटेक फूड टेक्नोलॉजी
- पीजी डिप्लोमा इन फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी
- एमबीए(एग्री बिजनेस मैनेजमेंट

अवसर

इस कोर्स के बाद आपके पास नौकरी के कई सारे विकल्प होते हैं। आप फूड प्रोसेसिंग यूनिटों रिटेल कंपनियों होटल एग्री प्रोडक्टस बनाने वाली कंपनियों से जुड़ सकते हैं। या फिर खाद्य वस्तुओं की गुणवत्ता जांचने उनके निर्माण कार्य की निगरानी करने और खाद्य वस्तुओं को संरक्षित करने की तकनीकों पर काम करने वाली प्रयोगशालाओं से भी जुड़ सकते हैं।

वेतनमान

इस क्षेत्र में आप शुरुआती स्तर पर आप 8 से 15 हजार रुपये प्रतिमाह आसानी से कमा सकते हैं। सालों के अनुभव के बाद 30 हजार रुपये प्रतिमाह या इससे भी ज्यादा कमाया जा सकता है। यदि आप स्वरोजगार से जुड़ते हैं तो आपकी कमाई और बढ सकती है। इस क्षेत्र में सैलरी और काम दोनों दिलचस्प होते हैं।

किस तरह की होती है पढ़ाई

जिस तरह अलग-अलग तरह के खाने को देखकर मन खुशी बढ़ती है। ठीक उसी तरह फूड टेक्नोलॉजी में पढ़ाई जाने वाली पढ़ाई भी बहुत दिलचस्प होती है। फूड टेक्नोलॉजी तथा इससे संबंधित कोर्सेज के अंतर्गत खाद्य पदार्थों के रख-रखाव से लेकर पैकेजिंग फ्रीजिंग आदि की तकनीकी जानकारियां शामिल होती हैं। इसके अंतर्गत पोषक तत्वों का अध्ययन फल मांस वनस्पति व मछली प्रसंस्करण आदि से संबंधित जानकारियां भी दी जाती है।

यहां होते हैं कोर्स

- यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली
- इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी
- जी. बी. पंत यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रिकल्चर ऐंड टेक्नोलॉजी पंतनगर उत्तराखंड
- बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी झांसी
- कानपुर यूनिवर्सिटी कानपुर उत्तर प्रदेश
- कोलकाता विश्वविद्यालय कोलकाता
- गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी अमृतसर पंजाब
- मुंबई यूनिवर्सिटी मुंबई।

इन क्षेत्रों में अपना काम शुरु करें

अगर आप कारोबार करना चाहते हैं पर आपके पास बजट कम है तो आप इन क्षेत्रों में अपना स्वयं का काम शुरु कर अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं। इसमें निवेश भी कम करना होगा और आप अच्छा पैसा भी कमा सकते हैं। अगर आप इन कारोबारों में मेहनत से काम करेंगे तो आगे बढ़ने की अच्छी खासी संभावनाएं हैं।

- **इवेंट मैनेजमैंट** - आजकल इवेंट का काम बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। खास बात ये है कि इसमें आपको किसी खास डिग्री की आवश्यकता नहीं है और आप क्रिएटिव तरीके से काम करके इसमें पैसा कमा सकते हैं। इवेंट में आप वेडिंग ऑफिशियल प्रोग्राम पार्टी आदि की अरेजमेंट कर सकते हैं और इसमें आपको निवेश नहीं करना होता सिर्फ इवेंट की व्यवस्था करनी होती है। आप अच्छे संपर्क बनाकर इसमें पैसे कमा सकते हैं।
- **ड्राइविंग स्कूल** - देश में कारों की बढ़ती संख्या को देखते हुए ड्राइविंग सीखने वालों की संख्या भी बड़ी है। ऐसे में ड्राइविंग स्कूल चलाना भी एक बेहतर विकल्प साबित हो सकता है। इस काम को करने के लिए शुरुआती तौर पर आपके पास सिर्फ एक कार होना जरूरी है। जिससे आप दूसरों को ड्राइविंग सिखा सकें।
- **टिफिन सेंटर** - घर से बाहर दूसरे शहरों में रह रहे लोगों के लिए घर का खाना एक सपने जैसा होता है। इसलिए आप इन शहरों में टिफिन आदि का कारोबार करके आप कम इनवेस्ट में अधिक पैसे कमा सकते हैं। इसकी पब्लिसिटी के लिए आप सोशल मीडिया या किसी ऐप का सहारा ले सकते हैं।
- **ऑटो गैराज**- आपको सुनकर भले ही ये अजीब लगे लेकिन कई लोग इससे अच्छा पैसा कमा रहे हैं। यह गैराज किसी एक दुकान पर नहीं होगा बल्कि यह डिमांड पर कहीं जाएगा। मतलब आजकल गाड़ियों की संख्या अधिक हो गई और बीच रास्ते में गाड़ी खराब हो जाने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। ऐसे में आप ऐसे लोगों की मदद कर पैसे कमा सकते हैं।
- **क्लिनिंग सर्विस**- इस क्लिनिंग सर्विस में आप कपड़ों से लेकर घरगाड़ी आदि तक का काम कर सकते हैं क्योंकि लोगों के पास काम की व्यस्तता की वजह से यह सब काम करने का वक्त नहीं होता है। ऐसे में आप उनके लिए ऑनलाइन रुप से ये काम करके अच्छे पैसे कमा सकते हैं। विदेशों और मेट्रो सिटी में कई लोग इस तरह से कमाई कर रहे हैं।
- **ट्रांसलेटर**- यह एक फ्रीलांस काम की तरह है। इस काम को आप किसी बिजनेस या नौकरी के साथ भी कर सकते हैं। आप यह भाषाओं के लिए कर सकते हैं। आजकल कई क्षेत्रीय भाषाओं के लिए भी कई लोगों की मांग है।
- **सोशल मीडिया कंसलटेंट**- आज प्रचार करने का सबसे अच्छा साधन है सोशल मीडिया। हर कोई खुद के लिए या अपनी संस्था के लिए सोशल मीडिया का सहारा ले सकते हैं। ऐसे में आप सोशल मीडिया से संबंधित कोई कोर्स करके या इसके बारे में पढ़कर आप पैसे कमा सकते हैं। इसके लिए आपको कई लोगों के सोशल अकाउंट संभालने होंगे।

तेजी से बढ़ रहा सैलून का कारोबार

इन दिनों ब्यूटी एंड कॉस्मेटिक प्रोडक्ट के बाद सैलून का कारोबार सबसे ज्यादा तेजी से बढ़ रहा है। जो लोग अपना खुद का व्यवसाय शुरू करना चाहते हैं वे इस क्षेत्र में आ सकते हैं। देश में 49 प्रतिशत लोग 25 वर्ष की उम्र के हैं। ये ऐसी उम्र है जब लोग अपनी सुंदरता और खान-पीन पर ज्यादा ध्यान देते हैं और मोटी रकम अदा करने तैयार रहते हैं। इसका बड़ा कारण सोशल मीडिया भी है। आज इस क्षेत्र में काफी अवसर सामने आ रहे हैं इसलिए इस काम में रोजगार के काफी अवसर पैदा हो गए हैं। अब पार्लर से अच्छी खासी कमाई हो जाती है।

कैसे करें अपने बिजनेस की शुरुआत-

सैलून एट होम कमाई का एक अच्छा जरिया बन सकता है। आजकल बड़े शहरों में अर्बन क्लैप यस मैडम ऐट होम जैसे कई ऐप्स काम कर रहे हैं। सैलून एट होम उन लोगों को नौकरी देता है जिन लोगों को पार्लर का काम आता है। घर पर ही सैलून ऐट होम सर्विस के लिए संबंधित कंपनियों के ऐप डाउनलोड करने होंगे उसके बाद उनकी वेबसाइट पर जाकर बुकिंग करनी होगी। इससे हर महीने कम से कम 40 से 50 हजार रुपए तक कमाए जा सकते हैं और जिनके पास अनुभव ज्यादा हैं वे और ज्यादा पैसे कमा सकते हैं। इस कारोबार में नुकसान की संभावना बेहद कम है बशर्ते आप आपने काम में बेहतर हों। ये बिजनेस दिन प्रतिदिन बढ़ेगा ही।

नई नौकरी पर जा रहे हैं तो रखें इन बातों का ध्यान

अगर आप पढ़ाई के बाद पहली बार नई जगह नौकरी पर जा रहे हैं या नौकरी बदल कर पहली बार ऑफिस जा रहे हैं तो आपको कई बातों का ध्यान रखना होगा। अगर आप ऑफिस के शुरुआती दिनों में इन बातों का ध्यान रखेंगे तो आपको नई जगह पर तालमेल बैठाने में आसानी होगी। कॉलेज और ऑफिस में अंतर होता है। यह जान लें कि ऑफिस में लोग एक डेकोरम का पालन करते हैं। उनके खाने और चाय पीने का वक्त तय होता है। कुछ हद तक काम के लिए समय सीमा भी तय होती है। इसलिए पहले जॉब में खुद को साबित करने के लिए यह जरूरी है कि पहले आप किसी भी संस्थान के कायदे-कानून को अच्छी तरह समझ लें। आजकल हर दफ्तर में यह माना जाता है कि आप में इंटेलीजेंस कोशेंट (आईक्यू) और इमोशनल कोशेंट (ईक्यू) के साथ-साथ कल्चरल कोशेंट (सीक्यू) भी होना चाहिए। कोई व्यक्ति? यदि आपको ज्यादा पसंद नहीं आ रहा है तो भी आप उसके साथ भी काम करने के लिए मानसिक रूप से तैयार रहें।

ज्यादा ना बोलें

हो सकता है आप बहुत अच्छा जोक क्रैक करते हों और आपके दोस्त आपकी इस अदा पर फिदा हों पर ऑफिस में हो सकता है यह पसंद न किया जाए। अगर आप बहुत ज्यादा बोलते हैं और दूसरों की बात काटने की आपकी आदत है तो इसे भी बदल लें क्योंकि ऑफिस में आपसे इतनी गंभीरता की उम्मीद की जाती है कि आप पहले दूसरे की बात सुनेंगे और फिर उसका जवाब देंगे। मीटिंग के दौरान भी बार-बार बीच में न बोलें। अगर कोई बहुत अच्छा आइडिया है तो उसे जरूर शेयर करें पर मीटिंग में यह न लगे कि आप अतिउत्साहित हो रहे हैं।

परफॉर्मेंस के साथ पोलाइटनेस भी

ये बात ठीक है कि ऑफिस में खुद को कार्यकुशल दिखाना जरूरी है पर इसके साथ-साथ यह भी जरूरी है कि आप सीनियर्स और अपने कलीग्स के साथ ठीक से बात करें। काम के दौरान यदि कोई गलती पर टोके तो उस पर तीव्र प्रतिक्रिया देने की बजाय अपनी गलती की जिम्मेदारी लें। इस तरह आप सीनियर्स का दिल भी जीत लेंगे।

संतुलित जवाब दें

ऑफिस में आप नये-नये हैं तो सबसे पहले अपने कलीग्स के मिजाज को समझ लें क्योंकि हो सकता है कि आपके किसी जोक पर उन्हें गुस्सा आ जाए या वो नाराज हो जाएं। इसलिए हंसी-मजाक करने से पहले लोगों के व्यक्तित्व को जान लेना सबसे जरूरी है। इसके अलावा अगर आपसे कुछ पूछ जाए तो उसका जवाब बढ़ा-चढ़ाकर देने की बजाय टू द प्वॉइंट दें। अपनी योग्यता को बहुत ज्यादा बढ़ा-चढ़ाकर बताने के बाद यदि आप उस पर खरे नहीं उतर पाए तो इससे आपके सहयोगियों के साथ आपका पेशेवर रिश्ता कमजोर हो जाएगा।

सोशल मीडिया से दूरी

कॉलेज में आप हो सकता है पूरे दिन में कई बार सोशल मीडिया पर चैट करते हों या अपडेट्स करते हों। ऑफिस में यह नहीं चलता।

इन तकनीकी क्षेत्रों में हैं अच्छे अवसर

आज के उच्च तकनीकी युग में इन क्षेत्रों में योग्य उम्मीदवारों के लिए कई अवसर हैं।

नैनो-टेक्नोलॉजी= 12वीं के बाद नैनो टेक?नोलॉजी में बीएससी या बीटेक और उसके बाद इसी विषय में एमएससी या एमटेक करके इस क्षेत्र में शानदार करियर बनाया जा सकता है। इसके अलावा कॉस्मोलॉजी स्टेलर साइंस प्लैनेटरी साइंस एस्ट्रोनॉमी जैसे कई विषयों में तीन साल की बीएससी और चार साल के बीटेक से लेकर पीएचडी तक के कोर्सेज खास तौर पर इसरो और बेंगलुरु स्थित आईआईएससी में कराए जाते हैं।

एस्ट्रो-फिजिक्स= अगर आप सितारों और गैलेक?सी में दिलचस्पी रखते हैं तो 12वीं के बाद एस्ट्रो-फिजिक्स में रोमांचक करियर बना सकते हैं। इसके लिए आप चाहें तो पांच साल के रिसर्च ओरिएंटेड प्रोग्राम (एमएस इन फिजिकल साइंस) और चार या तीन साल के बैचलर्स प्रोग्राम (बीएससी इन फिजिक्स) में प्रवेश् ले सकते हैं। एस्ट्रोफिजिक्स में डॉक्टरेट करने के बाद स्टूडेंट्स इसरो जैसे रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन में साइंटिस्ट बन सकते हैं।

पर्यावरण विज्ञान= इस स्ट्रीम में पर्यावरण पर इंसानी गतिविधियों से होने वाले असर का अध्ययन किया जाता है। इसके तहत इकोलॉजी आपदा प्रबंधन वन्य जीव प्रबंधन प्रदूष्ण नियंत्रण जैसे विषय पढ़ाए जाते हैं। इन सभी विषयों में एनजीओ और यूएनओ के प्रोजेक्ट्स बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे में जॉब की अच्छी संभावनाएं हैं।

वॉटर साइंस= यह जल की सतह से जुड़ा विज्ञान है। इसमें हाइड्रोमिटियोरोलॉजी हाइड्रोजियोलॉजी ड्रेनेज बेसिन मैनेजमेंट वॉटर क्वॉलिटी मैनेजमेंट हाइड्रोइंफॉर्मेटिक्स जैसे विषयों की पढ़ाई करनी होती है। हिमस्खलन और बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं को देखते हुए इस क्षेत्र में तेजी से मांग बढ़ रही है।

माइक्रो-बायोलॉजी= माइक्रो-बायोलॉजी की फील्ड में एंट्री के लिए बीएससी इन लाइफ साइंस या बीएससी इन माइक्रो-बायोलॉजी कोर्स कर सकते हैं। इसके बाद मास्टर डिग्री और पीएचडी भी का ऑप्शन भी है। इसके अलावा पैरामेडिकल मरीन बायोलॉजी बिहेवियरल साइंस फिशरीज साइंस जैसे कई फील्ड्स हैं जिनमें साइंस में रुचि रखने वाले स्टूडेंट्स अच्छा करियर बना सकते हैं।

डेयरी साइंस= डेयरी प्रोडक्शन के क्षेत्र में भारत अहम देश है। भारत डेयरी प्रोडक्शन में अमेरिका के बाद दूसरे स्थान पर है। डेयरी टेक्नोलॉजी या डेयरी साइंस के तहत मिल्क प्रोडक्शन प्रोसेसिंग पैकेजिंग स्टोरेज और डिस्ट्रिब्यूशन की जानकारी दी जाती है। भारत में दूध की खपत को देखते हुए इस क्षेत्र में ट्रेंड प्रोफेशनल्स की डिमांड बढने लगी है। विज्ञान से 12वीं करने के बाद चार वर्षीय स्नातक डेयरी टेक्नोलॉजी के कोर्स में एडमिशन ले सकते हैं। कुछ इंस्टीट्यूट डेयरी टेक्नोलॉजी में दो वर्षीय डिप्लोमा कोर्स भी ऑफर करते हैं।

रोबोटिक साइंस= रोबोटिक साइंस का क्षेत्र काफी तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। इसका इस्तेमाल इन दिनों तकरीबन सभी क्षेत्रों में होने लगा है। जैसे- हार्ट सर्जरी कार असेम्बलिंग लैंडमाइंस। अगर आप इस फील्ड में आना चाहते हैं तो इस क्षेत्र से जुड़े कुछ स्पेशलाइजेशन कोर्स भी कर सकते हैं। जैसे ऑर्टिफिशियल इंटेलिजेंस रोबोटिक्स एडवांस्ड रोबोटिक्स सिस्टम. कम्प्यूटर साइंस से स्नातक कर चुके स्टूडेंट्स इस कोर्स के लिए योग्य माने जाते हैं।

रोबोटिक में एमई की डिग्री हासिल कर चुके स्टूडेंट्स को इसरो जैसे प्रतिष्ठित संस?थान में रिसर्च वर्क की नौकरी मिल सकती है।

आमजन की समस्याओं को घर-घर जाकर सुना जा रहा हैः ऊर्जा मंत्री तोमर

ग्वालियर । प्रदेश सरकार के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने उपनगर ग्वालियर में विकास यात्रा का शुभारंभ वार्ड 31 लक्ष्मणपुरा श्रीकृष्ण धर्मशाला से किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि विकास यात्रा का उद्धेश्य जन सेवा है। यात्रा के दौरान जो भी समस्यायें आ रही हैं, उनका मौके पर ही निराकरण किया जा रहा है। अगर कोई बडी समस्या है तो उसका निराकरण भी समय सीमा में करने के लिए संबंधित अधिकारी को निर्देशित किया जा रहा है। साथ ही कहा कि विकास यात्रा के दौरान पूर्व में हो चुके कार्यों का निरीक्षण भी किया जा रहा है। यात्रा के दौरान वार्ड 31 में एक करोड रूपये से अधिक के विकास कार्यों का हुए भूमि पूजन एवं लोकार्पण किया गया।

चौथे दिवस विकास यात्रा में बडी संख्या में जनसमूह ऊर्जा मंत्री तोमर के साथ चलकर शासन की योजनाओं एवं क्षेत्र में किए गए कार्यों की जानकारी फोल्डर के माध्यम से आमजन को देने का कार्य किया जा रहा है। इस अवसर पर ऊर्जा मंत्री तोमर ने कहा कि आमजन की समस्याओं को उनके घर-घर जाकर सुना जा रहा है और उन समस्याओं का तत्काल निराकरण भी किया जा रहा है। विकास यात्रा के दौरान विद्युत, सीवर, सडक एवं पेयजल से संबंधित शिकायतें मिल रहीं हैं। विकास यात्रा के दौरान आने वाली आंगनवाडी एवं उचित मूल्य की दुकानों पर जाकर राशन वितरण करने का कार्य भी किया जा रहा है। विकास यात्रा में जनकल्याणकारी योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को स्वीकृति आदेश पत्र दिए जा रहे हैं। विकास यात्रा 9 फरवरी को सुबह 9 बजे वार्ड 12 लाइन नम्बर 8 से प्रारंभ होगी।

विकास यात्रा के दौरान जब यात्रा लक्ष्मणपुरा शा.प्रा.विद्यालय एवं शिक्षा नगर विद्यालय में पहुंची तो ऊर्जा मंत्री तोमर अपने आपको बच्चों को पढाने से रोक नहीं पाये। वह बच्चों की कक्षा में पहुंचे तथा सबसे परिचय लिया और कहा कि पढ लिखकर अच्छा इंसान बनें और अपने माँ-बाप का नाम रोशन करें। कभी भी गलत का साथ न दें। स्वच्छता की आदत डालें कचरा खुले में न फेंकें। इसके साथ ही उन्होंने विद्यालय की एक कक्षा को स्मार्ट बनाने के लिए संबंधित अधिकारी को निर्देशित किया तथा वाटर कूलर, एलईडी व खेलकूद के लिए झूले देने का आश्वासन दिया। इसके साथ ही सभी प्रचार्यों का सम्मान शॉल श्रीफल से ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने किया। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने विकास यात्रा में एक करोड रूपये से अधिक के विकास कार्यों का भूमि पूजन एवं लोकार्पण किया। जिसमें लक्ष्मणपुरा बस्ती धोबीघाट में होटल साया पडाव लक्ष्मणपुरा से पुलिया तक नाला निर्माण लागत 43 लाख 16 हजार रूपये, कांति नगर में 11 केव्ही लाईन का पोल लगाने का कार्य लागत एक लाख रूपये, आइस फैक्ट्री के पीछे लगे ट्रांसफार्मर पर परिणामित्र के चारो तरफ जाली की फेंसिंग नम्बर-3 लागत एक लाख, श्री लक्ष्मीनारायण शिवहरे जी के घर के पास 11 केव्ही पोल लगाने का कार्य एक लाख रूपये की लागत के विकास कार्यों का भूमि पूजन किया। इसके साथ ही होटल साया के पास पडाव चैराहे से आबकारी कार्यालय होते हुए लक्ष्मणपुरा कलारी रेलवे स्टेशन तक डामरीकरण कार्य लागत 20 लाख रूपये, कांतिनगर डॉ. रिपुदमन वाली गलियों में सीसी रोड लागत 15 लाख रूपये, आरपी कॉलोनी कांतिनगर से अचलेश्वर विहार गेट तक एवं गणपति विहार कॉलोनी में डामरीकरण कार्य लागत 15 लाख, एलटी पोल बदलने का कार्य लागत 26 हजार एवं गणपति विहार पार्क निर्माण 9 लाख रूपये के विकास कार्यों का लोकार्पण किया गया। विकास यात्रा में मंडल अध्यक्ष मनमोहन पाठक, बृजमोहन शर्मा, यात्रा प्रभारी धर्मवीर राठौर, पार्षद श्रीमती अंजना हरिबाबू शिवहरे, जबरसिंह राजपूत, रामअवतार बैस सहित जिला प्रशासन, विद्युत एवं निगम के संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

नेशनल लोक अदालतों में सम्पत्ति, जल एवं अन्य करों के अधिभार में मिलेगी छूट

ग्वालियर । प्रदेश में वर्ष 2023 में होने वाली 4 नेशनल लोक अदालतों में सम्पत्ति कर, जल कर, उपभोक्ता प्रभार एवं अन्य करों के अधिभार में छूट दी जायेगी। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेन्द्र सिंह ने नागरिकों से नेशनल लोक अदालतों में मिलने वाली छूटों का लाभ उठाने का आग्रह किया है। नेशनल लोक अदालत 11 फरवरी, 13 मई, 9 सितम्बर और 9 दिसम्बर 2023 को आयोजित की जायेंगी।

सम्पत्ति कर के ऐसे प्रकरण, जिनमें कर तथा अधिभार की राशि 50 हजार रूपये तक बकाया है, उनमें मात्र अधिभार में 100 प्रतिशत तक की छूट दी जायेगी। सम्पत्ति कर के जिन प्रकरणों में कर एवं अधिभार की राशि 50 हजार रूपये से अधिक तथा एक लाख रूपये तक है, उनमें 50 प्रतिशत तक की छूट दी जायेगी। सम्पत्ति कर के जिन प्रकरणों में कर तथा अधिभार की राशि एक लाख रूपये से अधिक बकाया है, उनमें मात्र अधिभार में 25 प्रतिशत तक की छूट दी जायेगी। जल कर/उपभोक्ता प्रभार के ऐसे प्रकरण, जिनमें कर एवं उपभोक्ता प्रभार तथा अधिभार की राशि 10 हजार रूपये तक बकाया है, उनमें अधिभार में 100 प्रतिशत की छूट दी जायेगी। ऐसे प्रकरण, जिनमें जल कर/उपभोक्ता प्रभार तथा अधिभार की राशि 10 हजार से अधिक तथा 50 हजार तक बकाया है, में अधिभार में 75 प्रतिशत तक की छूट दी जायेगी। ऐसे प्रकरण, जिनमें जल कर/उपभोक्ता प्रभार तथा अधिभार की राशि 50 हजार से अधिक बकाया है, उनमें अधिभार में 50 प्रतिशत की छूट दी जायेगी। यह छूट मात्र एक बार ही दी जायेगी। 11 फरवरी को होने वाली नेशनल लोक अदालत के लिये यह छूट वित्तीय वर्ष 2021-22 तक की बकाया राशि पर देय होगी तथा 13 मई, 9 सितम्बर और 9 दिसम्बर को होने वाली लोक अदालत में यह छूट वित्तीय वर्ष 2022-23 तक की बकाया राशि पर देय होगी। छूट के बाद राशि अधिकतम 2 किस्तों में जमा करवाई जा सकेगी। इसमें से कम से कम 50 प्रतिशत राशि लोक अदालत के दिन तथा शेष राशि अधिकतम एक माह में जमा कराना अनिवार्य होगा।

खेल मंत्री यशोधरा राजे 9 फरवरी को ग्वालियर प्रवास पर रहेंगीं

ग्वालियर । खेल और युवा कल्याण, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया 9 फरवरी को ग्वालियर प्रवास पर रहेंगीं। मंत्री यशोधरा राजे इस दिन प्रातः 8 बजे कम्पू खेल परिसर स्थित हॉकी अकादमी में खेलो इंडिया यूथ गेम्स-2022 के तहत हो रही खेल प्रतियोगिता देखने पहुँचेंगीं। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया प्रातः 10 बजे ग्वालियर से सड़क मार्ग द्वारा शिवपुरी के लिये प्रस्थान करेंगीं। शिवपुरी में विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने के बाद वे अपरान्ह 3 बजे वापस ग्वालियर लौटेंगीं।

कांग्रेस उपाध्यक्ष महेन्द्र सिंह को धमकी देने वालो को जेल की हवा खिलाएः प्रभूदयाल जौहरे

ग्वालियर। ग्रामीण जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रभूदयाल जौहरे, महासचिव साहब सिंह गुर्जर, कार्यवाहक अध्यक्ष महाराज सिंह पटेल के नेतृत्व में कांग्रेसजनों ने बुधवार को पुलिस अधीक्षक के नाम एक ज्ञापन पुलिस मुख्यालय पर एडीशनल एस.पी. रहमान जी को दिया।

ज्ञापन में कहा गया है कि विगत दिनों ग्वालियर में मप्र कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष ग्वालियर के प्रभारी श्री महेन्द्र सिंह को थाटीपुर पर पत्र देकर जान से मारने की धमकी दी गई है, यह दुस्साहस और अपराधी राज के हौसले इतने बढ़ गए है कि राजनेताओं को सरेआम धमकी दी जा रही है। जिला एवं पुलिस प्रशासन इस गंभीर मामले में तुरंत कार्यवाही करने के लिए विशेष दल गठित करते हुए धमकी देने वालों को कानून के शिकंजे में लाए और खुफिया तंत्र को सक्रिया किया जाना चाहिए कि आखिरकार धमकी देने वाला है कौन पुलिस क्यों है मौन ज्ञापन में कहा कि अविलंब कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए अपराधी राज समाप्त करने के लिए धमकी देने वालों को गिरफ्तार करने के लिए आदेश प्रदान करें। ज्ञापन देने वालों में ब्लॉक अध्यक्ष कल्याण सिंह गुर्जर, लाखन सिंह राजे, अतर सिंह यादव, परमार सिंह धुरैया, संजीव दीक्षित, अभिषेक शर्मा आदि शामिल थे।

संतवाणी से जात पात छुआ छूत जैसी कुरुतियों पर लगता है विरामः सुधीर शर्मा

संत रविदास महाराज की 646वीं जयंती पर ग्राम हकीमपुरा चितरई में 6 दिवसीय कार्यक्रम में पहुँचकर भजपा के वरिष्ठ नेता एवं समाज सेवी पंडित सुधीर शर्मा ने कहा कि संतवाणी से जात पात छुआ छूत ऊँच नीच जैसी कुरुतियों पर समानता का सन्देश देने वाले महान संत रविदास जी के विचारों को अपने जीवन में उतारने के लिए हर भारतीय को आवश्यक रूप से संकल्प लेना चाहिए। इस कार्यक्रम में लव कुश नगर के संत सेवा राम द्वारा प्रतिदिन शाम को बौद्धिक का कार्यक्रम होता है तथा 10 फरवरी को ग्राम हकीमपुरा चितरई से विशाल रैली का आयोजन किया जाएगा, जो कि एयरपोर्ट के सामने संत श्री रविदास मंदिर पवन नगर में समाप्त होगी। कार्यक्रम में त्यागी जी महाराज, संदीप सोनी, अभिजीत ओस्मान तथा मतँगेश्वर सेवा समिति खजुराहो एवं क्लीन एंड ग्रीन आर्मी के सदस्यों ने भाग लिया। आयोजन समिति के विनोद अहिरवार, प्रभु अहिरवार तथा पूजा अहिरवार ने उपस्थित सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

साडा क्षेत्र की 18 ग्राम पंचायतों को मिलेगा फिल्टर किया हुआ पानीः भारत सिंह

ग्वालियर । खुशी की बात है साडा क्षेत्र में बसीं 18 ग्राम पंचायतों में जल्द ही शहर की तरह फिल्टर किए हुए पानी की आपूर्ति होगी। इन ग्राम पंचायतों की संयुक्त पेयजल योजना को मूर्तरूप देने के लिये प्रदेश सरकार द्वारा 60 करोड़ रूपए की राशि मंजूर कर दी गई है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान शीघ्र ही इस परियोजना की आधारशिला रखने आयेंगे। यह खुशखबरी उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) भारत सिंह कुशवाह ने ग्राम ओड़पुरा, झण्डापुरा, रामपुरा, तिघरा व तालपुरा में जन संवाद के दौरान ग्रामीणों को सुनाई। कुशवाह बुधवार को विकास यात्रा लेकर विकासखंड घाटीगाँव (बरई) के इन ग्रामों में पहुँचे थे। राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार कुशवाह ने इस दौरान लगभग 163 लाख रूपए लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। जिसमें सामुदायिक भवन, अमृत सरोवर, खेल मैदान, सीसी रोड़, नाला निर्माण, शांतिधाम एवं अन्य निर्माण कार्य शामिल हैं। कुशवाह ने इन सभी गाँवों में सामाजिक सुरक्षा पेंशन, मुख्यमंत्री श्रमिक सेवा योजना के तहत आर्थिक सहायता, लाड़ली लक्ष्मी प्रमाण-पत्र, भवन संनिर्माण कार्ड एवं सरकार की अन्य योजनाओं के तहत हितलाभ वितरित किए। साथ ही सरकार द्वारा विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के तहत लाभान्वित कराए गए हितग्राहियों का हिसाब-किताब भी प्रस्तुत किया। विकास यात्रा के तहत आयोजित हुए जन संवाद कार्यक्रम में कुशवाह ने कहा कि स्व-सहायता समूह की महिलायें फूड प्रोसेसिंग इकाईयाँ स्थापित करने के लिये आगे आएँ। खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा हर महिला को फूड प्रोसेसिंग इकाई के लिये 40 हजार रूपए का अनुदान दिया जाता है। बुधवार को आयोजित हुई ग्वालियर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र की विकास यात्रा में सर्वश्री कुँवर सिंह जाटव, आकाश भदौरिया, केशव सिंह गुर्जर, रामलखन उच्चारिया, अवध बिहारी तथा अन्य जनप्रतिनिधिगण शामिल रहे। साथ ही जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी बी एस हँस सहित राजस्व, विद्युत वितरण कंपनी, पीएचई एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी विकास यात्रा में शामिल रहे।

सिर्चः जेयू के गणित विभाग के शोध छात्रों ने प्राध्यापक के मार्गदर्शन में तैयार की गणितीय मॉडलिंग

ग्वालियर। जीवाजी विश्वविद्यालय के गणित विभाग के शोध छात्रों ने प्रोफेसर ओपी मिश्रा के मार्गदर्शन में गणितीय मॉडलिंग की है जिससे पर्यावरण एवं संक्रामक रोगों के भविष्य में होने वाले प्रभाव का पता किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि वर्तमान में पर्यावरण का असर मानव गतिविधियों के कारण (औद्योगिकीकरण,वन कटाई, वायु प्रदूषण,जल प्रदूषण) विभिन्न प्राणियों पर वर्तमान परिप्रेक्ष्य को देखते हुए भविष्य में क्या प्रभाव पड़ेगा कौन सा प्राणी रहेगा कौन सा समाप्त हो जाएगा। इससे संक्रामक बीमारी कैसे जनसंख्या में फैलेगी इसे कैसे नियंत्रण कर सकते हैं इसके बारे में पता चलेगा। वैक्सीनेशन, टेस्टिंग कितने लोगों पर होनी चाहिए कम लागत पर कैसे किया जा सकता है। इससे रिप्रोडक्शन नंबर निकाला जा सकता है और यह पता लगाया जा सकता है कि यह संक्रामक बीमारी कितनी तेजी से जनसंख्या में फैलेगी। रिप्रोडक्शन नंबर की गणना रोग संबंधी पैरामीटर के द्वारा की जाती है।जल संबंधी प्रदूषण से होने वाली बीमारी कॉलरा, मलेरिया के फैलने के बारे में भी पता लगा सकते हैं।फ्लू,कोरोना जैसे संक्रमित रोगों को फैलने से रोकने के लिए इसका उपयोग किया जाता है। रिप्रोडक्शन नंबर को नियंत्रित करते हैं जिससे संक्रमण न फैले। रिप्रोडक्शन नंबर 01 से कम है तो संक्रमण धीरे धीरे खत्म हो जाएगा यदि 01 से ज्यादा है तो संक्रमण फैलेगा। इसलिए रिप्रोडक्शन नंबर को नियंत्रित करने के लिए मैथमेटिकल नंबर का उपयोग किया जाता है। इनसे संबंधित कौन कौन से नियंत्रित करने के उपाय है जिनसे हमारा इको सिस्टम संरक्षित रह सके और संक्रामक रोगों को फैलने से रोका जा सके। चूंकि एक्सपेरिमेंटल महंगा है तो इसे मैथमेटिकल मॉडलिंग से कम लागत पर किया जा सकता है। पर्यावरण, पारिस्थितिकी की भविष्य में होने वाली समस्याओं से अवगत करा सकते हैं और भविष्य में होने वाली बीमारियों से अवगत करा सकते हैं। इसी के साथ मैथमेटिकल मॉडलिंग का उपयोग संक्रामक रोगों की समस्या को कम करने तथा रोकने में भी मॉडल का उपयोग कर सकते हैं। पर्यावरण का प्रभाव संक्रामक रोगों तथा पारिस्थितिकी दोनों पर पड़ता है प्लांट संबंधी बीमारियों के ऊपर भी मॉडलिंग की जा रही है प्लांट पर निर्भर प्राणियों पर डिसीज का क्या प्रभाव पड़ेगा इसकी स्टडी भी मॉडलिंग के द्वारा की जा रही है। चूंकि एक्सपेरिमेंटल करना काफी महंगा होता है इसलिए मैथमेटिकल मॉडलिंग से कम लागत पर किया जा सकता है। (शोध छात्र -दिव्या चतुर्वेदी, शिवमंगल नामदेव, ओमप्रकाश सिसौदिया, अरविंद सिंह, जाहिद युसुफ) गणित विभाग में मैथमेटिकल मॉडलिंग का प्रयोग सारे विषयों से संबंधित समस्याओं का समाधान निकालने संख्यात्मक एवं गुणात्मक विश्लेषण के लिए किया जाता है। मैथमेटिकल मॉडलिंग में शोध गणित विभाग तत्संबंधी अध्ययनशाला जीवाजी विश्वविद्यालय में किया जाता है जो कि देश के अग्रणी संस्थान आईआईटी कानपुर, आईआईटी दिल्ली में ही होता है। मैथमेटिकल मॉडलिंग का प्रयोग पर्यावरण एवं संक्रामक बीमारियों से संबंधित समस्याओं का समाधान करने के लिए किया जाता है। इससे संबंधित लगभग 150 शोध पत्र अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं।

(प्रो.ओपी मिश्रा,गणित विभाग जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर)

पूर्व केंद्रीय मंत्री पचौरी का हुआ आत्मीय स्वागत

ग्वालियर । कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी यहां ललितपुर कॉलोनी पहुंचे, जहां विधायक डा. सतीश सिकरवार के नेतृत्व में सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पुष्पहार पहनाकर आत्मीय स्वागत किया । विधायक डा. सिकरवार ने शॉल, श्रीफल भेंट कर सम्मान किया। इस मौके पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कोषाध्यक्ष अशोक सिंह, पूर्व मंत्री राकेश चौधरी, जिला अध्यक्ष डॉ. देवेंद्र शर्मा आदि साथ में थे। स्वागत करने बालों में प्रदेश प्रवक्ता राम पांडे, संभागीय प्रवक्ता धर्मेंद्र शर्मा, संगठन मंत्री सुरेंद्र यादव, ब्लॉक अध्यक्ष विनोद जैन, देवेन्द्र चौहान, महादेव अपोरिया, गिर्राज शर्मा, अनूप शिवहरे, पार्षद सुरेंद्र साहू, प्रमोद खरे, अंकित कठठूल समेत तमाम कार्यकर्ता शामिल रहे।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478